दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

6 पेज | पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 63 | ग्वालियर रविवार 11 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

जीत उसी की होती है, जो मुकाबले को दिलचस्प बनाता है

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा जामनगर नॉर्थ सीट से 57 प्रतिशत से ज्यादा वोट शेयर के साथ जीत चुकी हैं. वह शुरुआत से ही चर्चा में रहीं. इसके दो बड़े कारण हैं. पहला वह दिग्गज भारतीय क्रिकेटर की पत्नी हैं और दूसरा उनके परिवार का ही उनके खिलाफ होना. अब सवाल यह उठता है कि क्या उनके शुरुआत से ही चर्चा में रहने के कारण उन्हें यह जीत हासिल हुई है. यहां आपको बताते हैं इस सीट से रिवाबा के जीतने का मुख्य कारण क्या रहा। रिवाबा जडेजा को जैसे ही बीजेपी ने टिकट दिया था वह जमकर प्रचार में जुट गई थीं. प्रचार के इतर वह अपनी ननद नैना के कारण भी सुर्खियों में रहीं. दरअसल, उनके परिवार के लोग ही उनके लिए चुनौती बने हुए थे क्योंकि रविंद्र जाडेजा की बहन नैना और पिता अनिरुद्ध सिंह ने कांग्रेस उम्मीदवार के लिए वोट मांगे थे. इस सीट से पहले बीजेपी ने मुकाबले को दिलचस्प बनाया और फिर बड़ी जीत हासिल कर ली. भारत एक ऐसा देश है, जहां हर घर में क्रिकेट प्रेमी मिलना आम बात है. रिवाबा को भी इसी का फायदा हुआ. उनके नाम के आगे बड़ा नाम खुद ही जुड़ जाता है, जोकि उनके पति रविंद्र जडेजा का है. हालांकि, जीत का पूरा शेर्य इसे देना गलत होगा लेकिन नाम का मैजिक भी इस चुनावी पिच में उनके काम आया है.

चुनाव से पहले तमाम खबरें चलीं कि रिवाबा जडेजा के खिलाफ उनके परिवार के ही कई लोग हैं. इससे उन्हें जनता की सहानुभूति मिलना लाजमी था. इसलिए इसे जीत का दूसरा बड़ा कारण माना जा सकता है. उनकी ननद का उनके खिलाफ प्रचार करना और इस बीच रिवाबा का बिना कुछ कहे प्रचार करते चले जाना. इससे लोगों में एक अच्छा प्रभाव पड़ा. तीसरा बड़ा कारण है मोदी लहर. गुजरात में बीजेपी बीते 27 सालों से काबिज है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद गुजरात से ताल्लुक रखते हैं. चुनाव से पहले पीएम की ताबड़तोड़ रैलियों ने जनता को बीजेपी पर भरोसा बनाए रखने की बड़ी उम्मीद दी. रिवाबा स्थानीय लोगों के बीच सामाजिक गतिविधियों और दान कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए काफी लोकप्रिय हैं. पीएम मोदी खुद रिवाबा की सराहना कर चुके हैं. मातृशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से 101 सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोलने में योगदान देने के बाद पीएम ने उनकी काफी तारीफ की थी. आम और गरीब लोगों में उनकी यही पकड़ उनकी जीत का सबसे बड़ा कारण रही.

राजस्थान के बूंदी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू की गई भारत जोड़ो यात्रा कुछ पल विश्राम के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई. भारत जोड़ो यात्रा एक दिन के अवकाश के बाद फिर से शुरू हुई है. राजस्थान में आज भारत जोड़ो यात्रा का छठां दिन है. आज पदयात्रा की शुरुआत बूंदी ज़िले के केशोरायपाटन से हुई. राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए. सुबह 8 बजे से पदयात्रा रिलायंस पेट्रोल पंप, रंगपुरिया, केशवरायापाटन, लालसोटा- कोटा राजमार्ग से शुरू हुई थी. वहीं 11 बजे भारत जोड़ो यात्रा अरनेठा गांव पहुंच कर थोड़ा विश्राम लेगी. फिर इसके बाद दोपहर 3ः30 बजे यात्रा का दूसरा पड़ाव प्रारंभ हो कर बालापुर चौराहा कपरेन पहुंचेगी. यात्रा का अंतिम प्वाइंटबालापुर चौराहा रखा गया है. राजस्थान में पहले पड़ाव में यात्रा आज 13.8 किमी का सफर तय करते हुए अरनेठा पहुंचेगी. बता दें कि यात्रा में आज सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी शामिल हो सकते हैं.

महिला शक्ति पदयात्रा–भारत जोड़ो यात्रा में महिलाओं की भागेदारी को बढ़ाने के लिए 12

दिसंबर को महिला दिवस रखा गया है. यह महिला सशक्तिकरण के रूप में मनाया जाएगा, इसलिए इसे महिला शक्ति पदयात्रा का नाम दिया गया है. राजस्थान में 12 को सवाई माधोपुर में महिला शक्ति पदयात्रा का आयोजन किया गया है. जिसमें सिर्फ महिलाएं ही शामिल होंगी. इससे पहले भी सोनिया गांधी अक्टूबर महीने में कर्नाटक के मांड्या में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुई थीं और राहुल गांधी के साथ उन्होंने पदयात्रा की थी.

दिल्ली में प्रवेश करेगी भारत जोड़ो यात्रा–कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी 18 दिसंबर को अलवर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे और इसके अगले दिन जनसभा का आयोजन किया जाएगा. जयराम रमेश ने यह भी बताया कि भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली में प्रवेश करेगी और इसके बाद कुछ दिनों के लिए यात्रा को रोक दिया जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि कुछ दिन विश्राम के दौरान कंटेनरों के रखरखाव और मरम्मत का काम होगा. जिसके बाद 2 या 3 जनवरी से यात्रा फिर से शुरू होगी.

सुक्खू को क्यों मिल रहा सबसे ज्यादा विधायकों का साथ

नई दिल्ली। सुखविंदर सिंह सुक्खू यह वही नाम है, जो पिछले 40 सालों से कांग्रेस के साथ जुड़ा हुआ है. इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि हाईकमान और संगठन में उनकी गहरी पहुंच रही है. राज्य की जनता भी उन्हें खूब मानती है, इसलिए वह तीसरी बार विधायक बन चुके हैं. हिमाचल में जारी मुख्यमंत्री बनने की रेस से भले ही उन्होंने खुद को अलग ही क्यों न कर लिया हो लेकिन, अंदर से क्या खेल खेला जा रहा है यह पता लगाना काफी मुश्किल हैं. सुखविंदर सिंह की उम्मीदवारी इसलिए भी काफी दमदार है क्योंकि उनके समर्थन में कई विधायक हैं और कांग्रेस विधायकों को खोने का जोखिम नहीं उठा सकती है. यही कारण है कि विधायकों का समर्थन बेहद अहम बन जाता है. वहीं, सुक्खू के राजनीतिक सफर की बात की जाए तो उन्होंने कांग्रेस संगठन में अपनी शुरुआत हस्ढ से की थी और 7 साल तक एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष रहे. हमीरपुर जिले के नादौन के रहने वाले सुक्खू लॉ में डिग्री हासिल करने के बाद से ही स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स से जुड़ गए थे. उन्होंने एनएसयूआई से राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और संजोली कॉलेज में सीआर और एससीए के महासचिव चुने गए. इसके बाद राजकीय महाविद्यालय संजौली में एससीए के अध्यक्ष चुने गए. 7 साल यानी 1988 से 1995 तक एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष रहें.

राजनीतिक हलचल के बीच खबर है कि सुखविंदर सिंह लगातार विधायकों के संपर्क में हैं. उन्होंने लगभग 20 से 21 विधायकों के साथ बैठक की है. विधायकों का समर्थन मिलना इसलिए भी लाजमी है क्योंकि उन्हें पार्टी के साथ जुड़े हुए चार दशक हो चुके हैं. इससे उनपर भरोसा करना विधायकों के लिए एक बड़ा कारण है. वह इतने पावरफुल हैं कि वीरभद्र का विरोध करना भी उन्हें भारी नहीं पड़ा था. सुक्खू को भले की कांग्रेस में दशकों का समय हो गया हो, लेकिन उन्हें हमेशा से ही वीरभद्र सिंह के विरोधी गुट का नेता कहा जाता रहा है. किस्सा है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरभद्र सिंह के विरोध के बावजूद उन्हें प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने का. 10 साल युवा कांग्रेस में रहने के बाद जब उन्होंने हमीरपुर जिले के नादौन से विधानसभा चुनाव ल?ा था तब वीरभद्र सिंह के कई फैसलों के विरोध में चले गए थे. हालांकि, उन्होंने यह चुनाव लड़ा भी था और जीता भी था. इसके साथ ही वह रिकार्ड समय साढ़े 6 साल तक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे. तीन साल पहले ही उन्हें इस पद से हटाया गया था. हालांकि, चुनावों से पहले हाईकमान ने उन्हें प्रदेश चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष बना दिया था. सुक्खू ने अपने गृह जिले हमीरपुर में पहली बार पांच में चार सीटें कांग्रेस की झोली में डाली हैं. एक निर्दलीय उम्मीदवार की जीत के साथ ही यह सीट पूरी तरह से भाजपा मुक्त हो गई.

भारत को तेवर दिखाना पड़ सकता है ईरान पर भारी

नई दिल्ली। ईरान ने हाल ही में भारत से चाय और चावल का आयात बंद करने का फैसला किया है. भारत की ओर से ईरान से इस पर स्पष्टीकरण मांगा गया है. माना जा रहा है कि ईरान ने ये कदम बदला लेने की नीयत से उठाया है. दरअसल भारत ने हाल ही में ईरान से आने वाले कुछ फलों पर रोक लगाई थी, अब ईरान ने भारतीय बासमती चावल और भारतीय चाय के आयात को रोक दिया. भारत के कुल बासमती एक्सपोर्ट में 27 फीसदी हिस्सा ईरान के बाजार का है. 2022 में अप्रैल से सितंबर तक के आंकड़ों को देखें तो भारत ने इस अवधि में ईरान को 4,750 करोड़ रुपये का बासमती एक्सपोर्ट किया. वहीं भारत से चाय एक्सपोर्ट होने वाले कुल हिस्से में ईरान की हिस्सेदारी करीब 11-14 फीसदी है. ईरान से दोस्ती को देखते हुए भारत उसे सबसे सस्ते में चावल बेचता है. यही वजह है कि ईरान एक वर्ष में भारत से लगभग 30-35 मिलियन किलोग्राम चाय और लगभग 1.5 मिलियन किलोग्राम बासमती चावल का आयात करता है. ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान राइस इंपोर्ट 641.66 मिलियन डॉलर का रहा है. वहीं जनवरी-सितंबर के बीच चाय का आयात 66.39 मिलियन डॉलर किया. भारतीय निर्यातकों के अनुसार भारत बड़ी मात्रा में ईरान को उच्च गुणवत्ता वाली ऑर्थोडॉक्स चाय का निर्यात करता रहा है. उनका कहना है कि ईरानी बाजार में भारतीय चाय की भारी मांग है और ईरान को सबसे ज्यादा असम ऑर्थोडॉक्स चाय भेजा जाता है. ईरान ने पिछले साल के मुकाबले अप्रैल से सितंबर के दौरान 7 फीसदी ज्यादा इंपोर्ट किया. यह करीब 515 करोड़ रुपये का था. भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है. चावल के वैश्विक व्यापार में भारत की 40 फीसदी भागीदारी है. भारत की ओर से ईरान को निर्यात किए जाने वाले सामान में चावल और चाय के अलावा चीनी, ताजे फल, फार्मास्यूटिकल्स, सॉफ्ट ड्रिंक, औद्योगिक मशीनरी और हड्डी रहित मांस शामिल हैं. भारत से ही उसे सबसे सस्ते में चावल मिलता है, अब यदि उसने भारत से चावल नहीं खरीदा तो उसे अन्य देशों से ज्यादा चावल खरीदना पड़ेगा और उसे ज्यादा पैसा चुकाना पड़ेगा. ईरान के साथ भारत के काफी पुराने संबंध हैं.

रिकॉर्ड जीत के बाद किसे मिल सकती है गुजरात मंत्रिमंडल में जगह

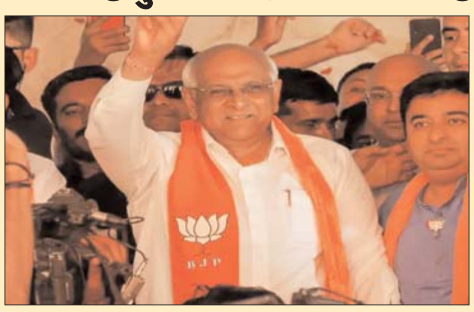

नई दिल्ली। गुजरात में बंपर जीत के बाद बीजेपी की सरकार बनने जा रही है. नतीजों के बाद अब सभी की निगाहें गुजरात मंत्रिमंडल के स्वरूप पर टिकी हुई हैं. भूपेंद्र पटेल को एक बार फिर से राज्य की कमान संभालने के लिए मौका दिया जा रहा है और इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं. भूपेंद्र पटेल 12 दिसंबर को एक बार फिर से मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे. मंत्रिमंडल में हार्दिक पटेल समेत कुछ नए चेहरे शामिल हो सकते हैं. भूपेंद्र पटेल के संभावित मंत्रिमंडल में सभी जातियों और सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को जगह दी जाएगी. नए मंत्रिमंडल में युवा चेहरे भी होंगे तो कुछ पुराने साथियों की भी मौजूदगी रहेगी. गुजरात में भूपेंद्र पटेल का शपथ ग्रहण समारोह 12 दिसंबर को आयोजित होगा. शपथ ग्रहण का समय बदल गया है. ठीक दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर भूपेंद्र पटेल शपथ लेंगे. 12 बजकर 49 मिनट को गुजरात में अच्छा मुहूर्त माना जाता है. 12 दिसंबर को सुबह 11 बजे पीएम मोदी गुजरात पहुंचेंगे. शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी समेत बीजेपी के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे. भूपेंद्र पटेल के संभावित मंत्रिमंडल में सभी जातियों और सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को जगह दी जाएगी. इसमें नौजवान भी होंगे तो कुछ पुराने अनुभवी साथियों को भी शामिल किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक अल्पेश ठाकोर, हार्दिक पटेल, हर्ष संघवी, जीतू वाघानी, और पूर्णेश मोदी समेत कुल 10 से 11 कैबिनेट मंत्री बनाए जा सकते हैं, जबकि 12 से 14 लोगों को राज्य मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है. नियम के मुताबिक गुजरात में ज्यादा से ज्यादा 27 मंत्री ही हो सकते हैं, उसी को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तैयार किया जा रहा है. इस बार आदिवासी इलाकों में भी बीजेपी की बंपर जीत हुई है, इसलिए एसटी समुदाय को भी भूपेंद्र पटेल की कैबिनेट में ठीक-ठाक प्रतिनिधित्व दिए जाने की पूरी संभावना है. बीजेपी की पूरी कोशिश होगी कि एक संतुलित कैबिनेट का गठन हो सके. बता दें कि गुजरात में 182 में से 156 सीटों पर बीजेपी की ऐतिहासिक जीत हुई है.

तरनतारन में पुलिस थाने पर रॉकेट लॉन्चर से हमला

नई दिल्ली। पंजाब के तरनतारन में पुलिस थाने पर हुए रॉकेट लॉन्चर से हुए हमले में खालिस्तानी आतंकी समूह का हाथ है. खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस हमले की जिम्मेदारी ले ली है. पुलिस ने भी इस हमले की जांच शुरू कर दी है. पंजाब के डीजीपी ने इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ बताया है. पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया, हम इसकी टेक्नीकली और फोरेंसिकली जांच कर रहे हैं. सीन ऑफ क्राइम से सबूत एकत्र कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस मामले में के तहत मामला दर्ज किया गया है. डीजीपी गौरव यादव ने मीडिया को बताया, शुक्रवार (09 दिसंबर) रात 11.22 बजे हाइवे की तरफ से पुलिस थाने पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया गया है. इस्तेमाल किया गया हथियार मिलिट्री ग्रेड का है. उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि इस अटैक

में पाकिस्तान का हाथ है. पाकिस्तान से हथियार भेजे गए हैं. दुश्मन देश रॉकेट का इस्तेमाल कर रहा है. डीजीपी गौरव यादव ने कहा, ये हमला पडोसी देश पाकिस्तान की तरफ से हो सकता है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में करीब 200 ड्रोन सरहद पार से आए हैं. बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने बहुत सारे ड्रोन पकडे हैं. हथियारों व नशे की तस्करी पर भी बड़ी लगाम लगाई है. हो सकता है कि इस वारदात के पीछे भी पड़ोसी देश का हाथ हो. पंजाब डीजीपी ने कहा, इस हमले के पीछे जो कोई भी हो और वो दुनिया में चाहे किसी भी कोने मे बैठा हो, हमारी पुलिस उसे गिरफ्तार करके लाएगी. डीजीपी गौरव यादव ने कहा, इस साल 9 मई को मोहाली में पुलिस के इंटेलीजेंस ऑफिस पर भी इसी प्रकार का हमला हुआ था. उस हमले मे भी इसतेमाल किया गया था.

रंगा रेड्डी में 100 से अधिक लोगों ने किया महिला डॉक्टर का अपहरण

नई दिल्ली। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक महिला डॉक्टर को अगवा करने का मामला सामने आया है. ये मामला रंगा रेड्डी जिले के अडिबटला थाना क्षेत्र के रगन्नागुडा का है. ये इलाका रचकोंडा पुलिस कमिश्नर जोन में आता है. जानकारी के मुताबिक इंगेजमेंट से ऐन पहले महिला डॉक्टर का अपहरण कर लिया गया. बताया जा रहा है कि 100 से अधिक बदमाश घर में घुसकर युवती को जबरन उठाकर ले गए. महिला डॉक्टर के घरवालों का आरोप है कि (जो कि एक उभरता हुआ चाय स्टार्टअप है) के मालिक नवीन रेड्डी और उनके सौ से अधिक गुंडों ने शुक्रवार को युवती का कथित रूप से अपहरण कर लिया.

महिला डॉक्टर अगवा–थाने में दर्ज शिकायत में युवती के माता-पिता ने कहा है कि बड़ी संख्या में लोगों के साथ आए नवीन रेड्डी ने उन पर हमला किया और उनकी बेटी वैशाली का अपहरण कर लिया. फ़िल्मी अंदाज में अपहरणकर्ताओं ने उनके घर के फर्नीचर, कार और अन्य चीजों को भी नुकसान पहुंचाया और फिर युवती को उठाकर ले गए. शिकायत के आधार पर इब्राहिमपटनम एसीपी उमामहेश्वर राव ने कहा कि अपहरणकर्ताओं को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है.

फैज़ अहमद फैज़ ने कभी कहा था कि और भी दुख हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवाः फैज़ साहब

नई दिल्ली। बड़े शायर हैं और उनकी पंक्ति युगों-युगों तक याद रखी जाने वाली, लेकिन क्या कोई ऐसा आशिक फैज़ से सहमत होगा जिसे इश्क़ करने पर न सिर्फ ग़म मिली हो बल्की माशुका के घर जाते ही चोर समझकर उसे लाठियों से पीटा गया हो. उस आशिक के लिए तो और मोहब्बत के सिवा और कोई गम दुनिया में बड़ा नहीं होगा. बांदा में एक युवक को अपनी प्रेमिका से मिलना महंगा पड़ गया. बांदा के बिसंडा थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला 20 साल का युवक बारात में डीजे बजा कर वापस लौट रहा था. वह रास्ते में अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर गया था. लड़की के पिता और भाई ने जब देखा तो लड़के को चोर समझकर उसको बहुत मारा-पीटा. शोर शराबा सुनकर आस-पास के लोग भी एकत्रित हो गए और उन्होंने भी उसको मारा. लाठी से मार-मार कर लड़का काफी खून से लथपथ हो गया था. मामले को बात-चीत से शांत कराया गया जिसके बाद युवक को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया. युवक का कहना है कि लड़की के पास उसकी घड़ी रह गई थी. लड़की ने उसे बताया कि घर पर मम्मी-पापा नहीं है तो वह घड़ी ले जाए. युवक ने जवाब दिया कि वह थक गया है और सुबह आकर घड़ी ले जायेगा लेकिन जब प्रेमिका नाराड़ हो गई तो वह उसके घर पहुंच गया.

कांग्रेस ने सेना के लिए तोपों की खरीद में किया घोटाला

नई दिल्ली। बीजेपी ने बोफोर्स घोटाले का मुद्दा उठाते हुए एक बार फिर से कांग्रेस पर आरोप लगाया है. बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने सेना के लिए तोपों की खरीद में भी घोटाला किया था. बीजेपी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर 1986 में बोफोर्स घोटाला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 1986 में भारत ने 400 होवित्जर तोपों की खरीद के लिए 1,437 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे. 1987 में इस सौदे को लेकर तत्कालीन राजीव गांधी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे 1990 में सीबीआई ने ओत्तावियो क्वात्रोची (सोनिया गांधी के पारिवारिक मित्र) के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में एफआईआर दर्ज की थी.

तलाक की अर्जी दाखिल करने के लिए एक साल के अलगाव की शर्त

केरल हाईकोर्ट ने तलाक अधिनियम के तहत आपसी सहमति से तलाक की अर्जी दाखिल करने के लिए एक साल या इससे अधिक के अलगाव की शर्त को असंवैधानिक करार दिया है. कोर्ट ने कहा है कि यह शर्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है. न्यायमूर्ति ए मुहम्मद मुस्ताक और न्यायमूर्ति शोभा अन्नम्मा ऐपन की खंडपीठ ने केंद्र सरकार से विवाह से संबंधित विवादों में पति-पत्नी की भलाई सुनिश्चित करने के लिए भारत में एक समान विवाह संहिता लागू करने पर गंभीरता से विचार करने को कहा. कोर्ट ने कहा कि कानून वैवाहिक संबंधों को धर्म के आधार के पर देखा जा रहे है. जबकि धर्म के आधआर पर ना देखते हुए लोगों की भलाई के आधार पर देखना चाहिए. कोर्ट ने

कहा, ÷राज्य का ध्यान अपने नागरिकों के कल्याण और भलाई को बढ़ावा देने पर होना चाहिए. भलाई के समान उपायों की पहचान करने में धर्म के लिए कोई जगह नहीं है।

युवा ईसाई दंपति दायर की थी याचिका–केरल हाईकोर्ट ने यह आदेश एक युवा ईसाई दंपति द्वारा दायर याचिका पर दिया जिसमें तलाक अधिनियम-1869 की धारा-10ए के तहत तय की गई अलग रहने की न्यूनतम अवधि (एक साल) को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए उसे चुनौती दी गई थी. अदालत ने अपने फैसले में कहा कि धारा-10ए के तहत एक साल के अलग रहने की अवधि का निर्धारण मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसे असंवैधानिक घोषित किया जाता है.

संभागायुक्त दीपक सिंह ने मेडिकल कॉलेज शिवपुरी की

कार्यकारिणी समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

शिवपुरी। श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय शिवपुरी की कार्यकारिणी समिति की छटवीं बैठक गत दिवस आयोजित की गयी। संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में मेडिकल कॉलेज के सभागृह में यह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह ने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न विषयों सहित अनुपूरक बजट पर आवश्यक निर्देश दिए। छात्र कल्याण हेतु 10 लाख रूपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गयी।संभागायुक्त दीपक सिंह ने चिकित्सा महाविद्यालय में सीटी स्कैन सुविधा उपलब्ध न होने से आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों के लिए निजी सीटी स्कैन सेंटर से रियायती दरों पर अनुबंध करने की अनुमति प्रदान की गयी। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में मोबाइल कनेक्टिविटी इशू के कारण सर्विस प्रोवाइडर के मध्यम से मोबाइल टॉवर लगाने के निर्देश दिए। चिकित्सा महाविद्यालय में रिक्त पदों की भर्ती हेतु यथाशीघ्र दिसंबर माह में ही कार्यवाही पूर्ण किये जाने के निर्देश मेडिकल कॉलेज डीन को दिए हैं। संभागायुक्त ने कहा कि छात्र-छात्राओं के मनोबल उन्नयन के लिए प्रयास करें। जिसके तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जा सकता है। शहर के गणमान्य नागरिकों एवं संस्थाओं द्वारा गोल्ड मैडल प्रदान किये जाने के लिए प्रयास करें। बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत मरीजों के भोजन व्यवस्था के लिए वित्त की पर्याप्त व्यवस्था न होने से शासन से पर्याप्त बजट की मांग की जाकर तात्कालिक रूप से स्वशासी निधि से व्यवस्था किये जाने हेतु निर्णय लिया गया।

प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री के संभावित भ्रमण की तैयारियों का जायजा लिया

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

शिवपुरी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया शनिवार को शिवपुरी भ्रमण पर आए। उन्होंने शिवपुरी जिले में मुख्यमंत्री के संभावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। शिवपुरी जिले में जनसेवा अभियान के हितग्राहियों को लाभ वितरण करने के लिए संभाग स्तरीय कार्यक्रम संभावित है जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अतिथि के रूप में भाग लेंगे। ग्वालियर संभाग का यह कार्यक्रम शिवपुरी जिले में आयोजित होगा। जिसमें संभाग के सभी जिलों के हितग्राही भी मौजूद रहेंगे। शिवपुरी जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह कार्यक्रम पोलो ग्राउंड में आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रभारी मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया भ्रमण पर आए। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश भी दिए। बैठक के बाद कार्यक्रम स्थल पोलो ग्राउंड का भी जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह से व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की और कहा कि कार्यक्रम में ट्रैफिक व्यवस्था व्यवस्थित रहे। इसके लिए पूरी योजना बना लें। इसके अलावा नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। बैठक में जिला अध्यक्ष राजू बाथम कोलारस विधायक वीरेंद्र रघुवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

म प्र कर्मचारी कांग्रेस के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष के जी व्दिवेदी बने

म प्र कर्मचारी कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न होने तक प्रदेश के प्रांतीय पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की आम राय से संगठन का संचालन करने के लिए वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष मुनेन्द्र सिंह परिहार ने अपने ऊपर आए न्यायालीन संकट को देखते हुए के जी व्दिवेदी को कार्यकारी प्रांताध्यक्ष नियुक्त किया है । ज्ञातव्य हो श्री व्दिवेदी अनवरत 16 वर्षो तक म प्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ मे सतना जिले मे अध्यक्ष रहे तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मे प्रांताध्यक्ष को लेकर विवाद होने के कारण म प्र शासन ने तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ की मान्यता समाप्त कर दिया और रजिस्टर फर्म्स सोसाइटी म प्र ने तृतीय वर्ग का रजिस्ट्रेशन क्रमंक 1079 रद्द कर दिया तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का अस्तित्व समाप्त होने पर प्रदेश के अधिकांश जिलों के कर्मचारी म प्र कर्मचारी कांग्रेस मे सामिल हो गए। के जी व्दिवेदी को कर्मचारी कांग्रेस का कार्यकारी प्रांताध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व प्रांताध्यक्ष विनोद अवस्थी, कमल किशोर पाठक,राजकुमाकर दांगी राजेन्द्र सिंह परिहार आशुतोष नामदेव एस के खरे लक्ष्मीकांत दीक्षित नीतूसिंह यादव प्रदीप श्रीवास्तव संजय व्दिवेदी राहुल शर्मा आदित्य प्रताप सिंह उदयभान सिंह एस पी राय पवन शर्मा सुनील कुमार शर्मा हर्ष तिवारी विजय प्रसाद गौतम संजय अवस्थी राजेश उपाध्याय अमित चतुर्वेदी कोक सिंह यादव डी पी एस गुर्जर पुरुषोत्तम दीक्षित योगेंद्र सिंह लक्ष्मण सिंह कुशवाह विनोद उपाध्याय राजेश दीक्षित सुरेंद्र सिंह परिहार संतोष सिंह वी पी मिश्रा गौरव वाजपेयी सहित प्रदेश कार्यकारिणी जिला ब्लाक तहसील कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की है ।

अपनों को नवाज रहे हैं थाना प्रभारी रवानगी के लिए परेशान हो रहे हैं कर्मचारी

ट्रांसफर तो हो गया क्या बिना भेंट चढ़ाएं नहीं होगी रवानगी, जनकगंज थाना अंतर्गत आने वाले गोल पहाड़िया पॉइंट पर ड्यूटी लगवाने के लिए मिलना पड़ता है प्रभारी के प्रधान आरक्षक से

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। जिले में कई थाने ऐसे भी है यहां थाना प्रभारी तो केवल नाम के लिए पदस्थ है जबकि प्रधान आरक्षक चला रहे हैं थानों को थाना प्रभारी अपने प्रधान आरक्षक ओं को इतना संरक्षण देकर रखते हैं कि वह किसी को भी कहीं भी खुलेआम अवैध काम करने की छूट दे देते हैं फिर चाहे वह दारू बिचवा ना हो या फिर जुआ खिलवा ना हो या सट्टा चलाना हो बस प्रभारी साहब को टाइम पर हिस्सा मिलना चाहिए।

नगर निगम से परेशान हाथ ठेले वाले अब पुलिस से भी होने लगे हैं परेशान–ग्वालियर जनक गंज थाना अंतर्गत आने वाली गांधी मार्केट चौकी महाराज बाड़े पर मयूर मार्केट में लगने वाले ठेले वालों से सरेआम ?50 रोज लिए जा रहे हैं जिसकी उन्हें कोई रसीद भी नहीं दी जा रही है नगर निगम के कुछ कर्मचारी तथा पुलिस के दीवान है शामिल यह लोग एक ब्रेड वाले से पैसे वसूलने को कहते हैं ब्रेड वाला पूरा पैसा बगल में बनी जनकगंज थाने की चौकी के दीवान को देता है जब उससे समाचार नेशन की टीम ने पूछा तो उसने बताया कि दीवान साहब पैसे लेने को कहते हैं विडियो में वह कहता नजर आ रहा है ये ठेले वाले तो अभी 2 महीने पहले आए हैं मैं तो बहुत पहले से पैसे लेता हूं जैसे ही उसने कैमरा देखा वह अपनी इस बात से पलट गया ठेले वालों का कहना है बाड़े पर लगे सीसीटीवी कैमरा को चेक कीजिए यह हमसे रोज सरेआम पैसे लेते हैं कई ठेले वाले ऐसे ही रिश्वतखोरो से परेशान हैं ऐसे लोगों पर तुरंत कार्रवाई होना चाहिए।

कुबेरेश्वरधाम में निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र की सुविधा शुरू

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। शनिवार को जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा अपने पिताश्री पंडित स्वर्गीय रामेश्वर दयाल मिश्रा की स्मृति में प्राथमिक उपचार केन्द्र का श्री गणेश किया गया। इस मौके पर भागवत भूषण श्री मिश्रा ने कहा कि हर रोज हजारों की संख्या में कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहता है। पिछले दिनों निशुल्क एंबुलेंस सुविधा शुरू की गई थी। इसके बाद अब धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र में दो बिस्तरों के अलावा नर्स आदि की व्यवस्था के साथ निशुल्क रूप से दवाई, जांच और उपचार की व्यवस्था की गई है। आने वाले समय में ब? रूप में केन्द्र को विकसित किया जाएगा।

इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से क्षेत्रवासियों को धाम में ही और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलने लगेगी। इससे उन्हें छोटी-छोटी बीमारियों के लिए इधर-उधर नहीं जाना प?ेगा। इस केन्द्र में बीपी, शुगर सहित अन्य बीमारियों की जांच भी मौके पर हो जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पिछले दिनों सात दिवसीय शिव पुराण गुजरात से शनिवार की सुबह लौटने पर जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा का श्रद्धालुओं ने दर्शन करते हुए आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान शिव के ध्यान मंत्र से पापों से मुक्ति मिलती है और आत्मशुद्धि होती है, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं यह मंत्र जीवन से हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। प्रति दिन इस मंत्र जाप करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है और सभी प्रकार की दुविधाओं और मुश्किलों से छुटकारा मिलता है। कुछ दिनों के नियमित जाप से ही आपको मानसिक शान्ति महसूस होने लगती है। भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता है। भोलेभंडारी न केवल इंसानों के बल्कि राक्षसों के भी देवता है। उनके एक ही नहीं अनेक रूप है। भगवान शिव को प्रसन्न करना काफी आसान है। हिंदू धर्म में मंत्रों का खास महत्व है। हर मंत्र के जाप का मकसद अलग-अलग होता है। मंत्र दिमाग को शांत करते हैं। साथ ही शरीर से नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर करने में मदद करता है। मंत्रों का जाप करने से भय, चिंता, क्रोध और ईष्या जैसे चीजों पर काबू पाया जा सकता है। भगवान शिव को समर्पित कई शक्तिशाली मंत्र है। जिनका जाप कर जीवन में शांति की प्राप्ति होती है। शिव के मंत्र आपके जीवन की हर परेशानी को हल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक बैतुल में होने वाली श्री मां तापती शिव महापुराण के लिए रवाना होंगे।

लहार में 14 को एक शाम भगवान श्री राम के नाम

14 दिसम्बर को सरयू गार्डन में पूज्य महाराज राजन महाराज के मुखारबिंद से होगी भव्य राम कथा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। लहार नगर के सरयू गार्डन में प्रदेश कार्य समिति भाजपा अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया द्वारा स्वर सम्राट पूज्य राजन जी महाराज के मुखारबिंद से एक शाम भगवान श्री राम के नाम दिव्य कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे पूज्य महाराज श्री द्वारा 14 दिसम्बर दिन बुधबार को शाम 4 बजे से 8 बजे तक एक दिव्य मनोहर कथा लहार के श्रद्धालुओं को सुनाकर उनके जीवन मे उजियारा करने का प्रयास किया जायेगा ।

पूज्य महाराज की जीवन गाथा–पूज्य राजन जी महाराज एक बहुचर्चित जाने माने कथा वाचक है। लाखों युवा इन्हे अपना आदर्श मानते है पूज्य राजन जी महाराज भारत के एक मात्र ऐसे कथा वाचक है। जिन्हे युवा में सबसे ज्यादा लोकप्रिय माना जाता है।लाखो युवाओं के ये आदर्श है पूज्य राजन जी महाराज का जन्म वेस्ट बंगाल के कोलकाता में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।बचपन से इनमे आध्यात्मिक में विशेष रुचि थी, इसलिए वे अभी एक कथा वाचक और एक महान पंडित है।महाराज जी का असली नाम राजन तिवारी है इनकी प्रारंभिक शिक्षा की बात करे तो, इन्होने अपने प्रारंभिक शिक्षा वेस्ट बंगाल के कोलकाता के एक सरकारी स्कूल से की है।इनका ये मानना है की कोई भी विद्यार्थी क्षमता उसके स्कूली से नही जानी जाती है, पड़ने वाला विद्यार्थी किसी भी स्कूल में पढ़ सकता है। अगर उसमे पड़ने की रुचि होती है तो वो कही भी पढ़ सकता है पूज्य महाराज जी ने फिर कोलकाता से ही अपना ग्रेजुएशन पूरी की और बीएससी में केमिस्ट्री के तहत अपनी पढ़ाई पूरी की, पढ़ाई पूरी कर के पूज्य राजन जी ने कोलकाता में ही एक कंपनी में नौकरी करते थे। इनका पूरा परिवार कोलकाता में ही रहता है। वर्ष 2003 में वे भूषण जी महाराज जी में संपर्क में आए, महाराज जी भूषण जी महाराज को अपना आराध्य अपना गुरु मानते है। क्योंकी जब वे उनके संपर्क में आए थे तब ही वे एक महान कथा वाचक बने,फिर सन. 2011 से कोलकाता से ही इन्होने कथा वाचन चालू किया था।तब से आज तक वे सीता राम की कथा करते है।ये बहुत ही सुंदर कथा कहते है, इनका सीता राम का भजन बहुत ही लोकप्रिय है।पूज्य राजन जी महाराज कहते है की आज कल के युवाओं को रामायण को देखना ही नहीं चाहिए बल्कि पड़नी चाहिए और उससे अपने जीवन में स्वीकार करना चाहिए।इसलिए महाराज जी के कई सारे युवा भक्त है और कई लोग उन्हें अपना आदर्श मानते है।

गुड्डू भैया ने श्रद्धालुओं से की मार्मिक अपील–कथा आयोजन के बारे में चर्चा करते हुए युवा भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य अम्बरीष शर्मा उर्फ गुड्डू भैया ने बताया कि एक सन्त पुरुष की जिज्ञासा के चलते एक शाम भगवान श्री राम के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जो राजनीतिक न होकर पूर्णतयः धार्मिक आयोजन है एवम जिसमे आप सभी भक्तजनों की सहभागिता ही हमारी पूंजी है उंन्होने अपील की है कि लहार क्षेत्र एवं आसपास के श्रद्धालुओं से निबेदन है कि राजनैतिक द्वेष की भावना न रखते हुए भगवान श्री राम के जीवन का चरित्र चित्रण पूज्य महाराज के मुखारविंद से सुनकर अपने जीवन को सफल बनायें एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी बन लहार क्षेत्र का नाम रोशन करें ।

आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में भव्य आयोजन

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरु। शहर से 9 दिसंबर को श्रीमती बादाम भाई शिवराज जी भंडारी यात्रा संघ 10 दिवसीय प्रारंभ हुआ यात्रा के दूसरे दिन राणावास में आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में भव्य आयोजन हुआ जहां पर संघ पति अनुराज सुरेश चंद धर्मी चंद महावीर भंडारी परिवार का महेंद्र मुणोत एवं कांटा प्रांत के वरिष्ठ जनों ने सम्मान किया। इस अवसर पर मुणोत ने भंडारी परिवार की सराहना करते हुए 40 वर्ष पूर्व के विद्यार्थी जीवन राणावास के अनुभव को साझा किया।

नवांगत एसडीओपी ने दरवाजे पर भूमि पूजन कर पौधा रोपित कर संभाला एसडीओपी का चार्ज

घाटीगांव। एसडीओपी घाटीगाँव के पद पर शासन द्वारा संतोष कुमार पटेल की नई पदस्थापना की गई है। जिसके पालन में पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी से संतोष कुमार पटेल ने 10 दिसंबर को ग्वालियर जिले के घाटीगाँव में अपनी आमद दी है। एसडीओपी पटेल द्वारा कार्यालय में प्रवेश से पहले दरवाजे पर भूमि पूजन किया गया और गड्ढा खोदकर शीशम का एक पौधा लगाया गया उसके बाद कार्यालय में प्रवेश किया कर चार्ज भार लिया गया। एसडीओपी द्वारा पौधे से प्रतिदिन न्याय दिलाने की प्रेरणा का स्त्रोत के रूप में बताया गया। साथ ही मीडिया से चर्चा में आमजन से अपील की है कि कोई भी शिकायत मुझ तक पहुंचाए मैं पुलिस को मौके पर भेजूँगा और स्वयं मौके पर आकर कार्यवाही करूँगा। इस मौके पर नवागत एसडीओपी संतोष कुमार पटेल, थाना प्रभारी घाटीगांव शैलेन्द्र सिंह गुर्जर समस्त एसडीओपी कार्यालय स्टाफ एवं थाना घाटीगांव स्टाफ मौजूद रहा।

केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया का धन्यवाद सभा कार्यक्रम को लेकर एक दर्जन से अधिक

ग्रामों में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौर जी ने की जनचोपाल एवं जनचर्चा

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। भितरवार ग्राम दुवाह,दुबही , मेहगाव, करहिया, खेड़ा टाका, देवरीटाका, बेला, मशुदपुर, सिघारन एवं एक दर्जन से अधिक ग्रामों में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौर जी ने आगामी 16 दिसंबर 2022 को चीनोर वाया करहिया, भितरवार रोड़ के कार्य प्रारंभ धन्यवाद सभा हेतु चिनोर के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही जन चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत में जन चौपाल का आयोजन किया गया, जन चौपाल में किसानों ने चीनौर वेयरहाउस से खाद्य वितरण प्रारम्भ कराए जाने , कराहिया रोड के स्वीकृत होने पर भाजपा सरकार के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया और प्रतीक स्वरूप अंगवस्त्र श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के आगमन को लेकर सभी ग्रामीणजन एवं जनसेवक साथियों ने ज्यादा से ज्यादा सख्या मे टैक्टर टाली, मोटरसाईकल एवं चार पहिया वाहनों से पहुंचने का संकल्प लेकर धन्यवाद सभा मे पहुंचने की जि़म्मेदारी बांटी गईं। इस दौरान साथ में महेन्द्र साहू जी (सरपंच मेहगांव)श्री मूरत सिंह जी(सरपंच), श्री राघवेंद्र सिंह परमार जी,श्री रवि पहिहार जी, श्री जीतेन्द्र नामदेव जी,श्री मनीष नामदेव जी, श्री अजमेर सिंह मौर्य जी, श्री जगदीश नामदेव जी, श्री राजेंद्र सिंह जाटव जी, श्री अतर सिंह बघेल जी एवं समस्त कार्यकर्ता बंधु एवं जनसेवक साथी उपस्थित रहे।

मिशन 2023 की तैयारी के लिये हम सबको अपना अपना बूथ केंद्र मजबूत करना होगाः राणा

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

मौं। भारतीय जनता पार्टी मंडल मौं की कामकाजी बैठक रेष्ट हाउस पर आयोजित की गई बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं मौं मंडल के प्रभारी निहाल सिंह राणा विशेष अतिथि के रूप में जिला मंत्री फरेन्द सिंह सिकरवार रामजीलाल शर्मा ब्रजमोहन सिंह पटेल मौजूद थे बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह ने की बैठक के प्रारंभ में अतिथियों ने भाजपा के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया बैठक के प्रारंभ में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह ने दिया और कहा हम सब कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत के साथ अपना-अपना बूथ केंद्र मजबूत करना है अगर हमारा बूथ केंद्र मजबूत हो गया तो हम लोगों को मिशन 2023 को फतह करने में दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित पार्टी के जिला उपाध्यक्ष निहाल सिंह राणा ने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है पार्टी को इतनी ऊंचाई पर ले जाने का पूरा श्रेय उसके देव तुल्य कार्यकर्ताओं का है कार्यकर्ताओं के दम पर आज पार्टी ने गुजरात में लगातार सातवीं बार विजय प्राप्त की है उसकी मुख्य बजह वहां पार्टी संगठन का बेहद मजबूत होना है अब हमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए अपने अपने बूथ केंद्र को मजबूत करना है इसके लिए पार्टी ने आगामी दिनों में कई कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण आयोजित होंगे जिसमें हर बूथ केंद्र पर दो कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया का प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं बूथ केंद्र पर जो टीम है उसको और मजबूत किस प्रकार किया जाए हम सब को इसकी चिंता करना है इस अवसर पर जिला मंत्री फरेन्द सिंह सिकरवार ने कहा भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्यकर्ता आधारित संगठन है हमारे संगठन की बुनियाद हमारा कार्यकर्ता है इसलिए अब हम सबको अपनी पूरी ऊर्जा के साथ अपना कुछ समय संगठन कार्य के लिए देना है जिससे मिशन 2023 मध्यप्रदेश में भी गुजरात की तरह शानदार विजय प्राप्त हो सके कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री सुल्तान सिंह मौर्य ने किया एवं अंत में आभार प्रगट मंडल उपाध्यक्ष धर्मेन्द राणा ने किया बैठक में मुख्य रूप से नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष मर्जाद सिंह यादव शुरेश छारी बीरेन्द सिंह यादव पिं बर्ग मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष रघुराज गुर्जर किसान मौर्चा मंण्डल अध्यक्ष पर्वत सिह जादोंन सोनू शर्मा बबली यादव युवा मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष राम यादव गुप्ता जाटव हनुमंत सिंह जादौंन सनतकुमार पवैया शतीष परिहार रामू कुशबाह सोनू खांन अजय झां सोमबीर सिबहरे अबदेश श्रीबास रजींत राणा नरोत्तम राणा रामकेश गुर्जर आगम जैन बीरेन्द सिंह यादव दिनेश परिहार नरेन्द तोमर रामकुमार जादोंन बकील यादव प्रदीप यादव अमजद खां डां बेताल गोड डां सुनील गोयल सुभंम राठौंर दीपक यादव कोमल यादव रामनरेश कुशबाह जितेन्द्र राणा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया 4 दिवसीय क्षेत्र के प्रवास पर आएंगे

मंत्री डॉक्टर भदौरिया ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण एवं पार्टी के कार्यकर्ता और जनता से करेंगे मुलाकात

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अटेर विधायक डॉ अरविंद सिंह भदौरिया अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय प्रवास पर अटेर विधानसभा क्षेत्र के कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया अपने चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत 13 दिसंबर को भोपाल से भिंड के लिए प्रस्थान करते हुए रात्रि के 11:00 बजे अपने निज निवास मीरा कॉलोनी भिंड पहुंचेंगे 14 दिसंबर को 9:30 पर सर्किट हाउस पर जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से

मुलाकात करेंगे 11:00 बजे ग्राम पंचायत स्यावली, दोपहर 1:00 बजे बगुलरी, 12:30 सोरा मल्लपुरा, 2:00 बजे अमलेडा, 15 दिसंबर को 9:30 बजे सर्किट हाउस भिंड में जनता और कार्यकर्ताओं से मुलाकात, 11:00 बजे रोहंदा, 12:30 गडेर, 2:00 बजे खैराहट नावली वृंदावन देवालय, 16 दिसंबर को 9:30 बजे भिंड सर्किट हाउस पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात, 11:00 सपाड, 12:30 सामन्ना, 2:00 चांचड, शाम 5:00 बजे भिंड से ग्वालियर के लिए प्रस्थान, 6:00 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे ग्वालियर से रात्रि को 8:10 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

कनेरा सिंचाई एवं पेयजल परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिली

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अटेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं मध्य प्रदेश सरकार में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया के अथक प्रयासों से क्षेत्र की प्रमुख कनेरा सिंचाई परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिल गयी है जिसका कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा 42 वर्षों से यह योजना बंद पड़ी थी कई हेक्टयर किसानों की खेती पानी के अभाव के कारण सिंचित नहीं हो पा रही थी इस योजना को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने महत्वपूर्ण प्रयास करते हुए पर्यावरण मंत्रालय को इसके लिए अनुमति मिलना चाहिए थी आज वह पूरी हो गई है कांग्रेस की सरकार में बंद पड़ी योजना अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रारंभ करने जा रही है जो किसानों के लिए गौरवान्वित होकर सिंचाई का कार्य तीव्र कर प्रारंभ होगा और किसानों की खेती हरी भरी बनेगी। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा कि 1980 में कनेरा सिंचाई योजना की आधारशिला रखी गई थी लेकिन बीच में 1990 में भारतीय जनता पार्टी की तत्कालीन सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के नेतृत्व में इस योजना को प्रारंभ कराने के लिए काफी प्रयास किए गए और योजना सफलता की ओर पहुंची उसके बाद कांग्रेस की सरकार आई और इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया ताकि किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिल पाए और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तय किया कि कमलनाथ सरकार में बंद पड़ी परियोजनाओं को प्रारंभ किया जाएगा आज पर्यावरण मंत्रालय से इस योजना के लिए स्वीकृति मिलने पर किसानों के खेतों में सीधा पानी पहुंचेगा यह योजना अटेर क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डॉल्फिन और घड़ियाल के संरक्षण के लिए चंबल नदी में मंत्रालय द्वारा गठित की जाने वाली समिति द्वारा सुझाव गए न्युनतम प्रभाव स्तर को बनाए रखा जाएगा प्रस्तावक को यह सुनिश्चित करना होगा कि वन, वन्य जीवन और उसके आवासों को कोई नुकसान ना हो रात में कोई काम नहीं होगा जब नदी का जलस्तर कम होगा और जलीय जीवो के लिए पानी पर्याप्त नहीं होगा है तो सिंचाई के लिए पानी का घेराव बंद कर दिया जाएगा नदी के जलस्तर पर प्रभाव की नियमित निगरानी वन अधिकारी एवं पर्यावरण बिंदुओं की सहमति द्वारा की जाएगी निर्धारित शर्तों का वार्षिक

अनुपालन प्रमाण पत्र राज्य मुक्त मुख्य बने प्राणी प्रस्तुत किया जाएगा साथ ही राज्य प्रमुख वन्य प्राणी द्वारा वार्षिक अनुपालन प्रमाण पत्र भारत सरकार को दिया जाएगा हम सब इन शर्तों के आधार पर इस परियोजना को आगे बढ़ाते हुए किसानों के सिंचाई के लिए कार्य करेंगे ताकि उनकी खेती जो वर्षों से बंजर पड़ी है वह अब सिंचित की ओर पहुंचेगी। मंत्री डॉ भदौरिया ने कहा कि 2008 में फूप में अंत्योदय मेला के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था और घोषणा की थी कि अटेर क्षेत्र के किसानों के लिए इस योजना को शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार कमलनाथ के नेतृत्व में बनी उसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के मुख्यमंत्री बने भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है और इस परियोजना को केंद्रीय पर्यावरण की अनुमति के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रस्ताव भेजा और इस को अब पूर्ण रूप से पर्यावरण मंत्रालय की हरी झंडी मिल चुकी है और वर्षों से जो किसान अटेर क्षेत्र के इस योजना की बाट जोह रहे थे आज वह उनके लिए सोना की तरह खेती उबालने के लिए इस योजना का पानी शीघ्र किसानों के खेत में पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि विकास ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अटेर विधानसभा क्षेत्र के समस्त किसानों की ओर से केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया है उन्होंने इस योजना को शीघ्र प्रारंभ कर हमें जो शर्तें प्रदान कि हैं हम सब उनका ध्यान रखते हुए इस योजना को आगे बढ़ाएंगे।

जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर पहुंचेगा पेयजलः शेजवलकर

रहीश भैया 7869883786

भितरवार के मोहना मंडल के ग्राम अमरगढ़ में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन द्वारा नवीन निर्मित नल जल योजना का लोकार्पण एवम प्रधानमंत्री आवास योजना के नवीन आवासों के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर के सांसद विवेक नारायण शेजवलकर जी,विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा ग्वालियर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा जी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जल जीवन मिशन के ऊपर जानकारी प्रदान की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 15 अगस्त को लाल किले से जनजीवन के अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र में निवासरत महिलाओं और किशोरियों को दूरस्थ स्थान से पेयजल लाने समस्या से निजात दिलाने हेतु उनके घर की परिधि के अंदर 55 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से शुद्ध पेयजल नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाएगा। लंबी अवधि के लिए घरेलू नल कनेक्शन के के मान से वर्ष 2024 तक पेयजल उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, इसमें प्रस्तावित कार्य ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत प्रत्येक परिवार को नल जल योजना के माध्यम से घरेलू नल कनेक्शन द्वारा 55 लीटर प्रति व्यक्ति के मान से पेयजल उपलब्ध कराने हेतु, अधोसंरचना निर्माण करना पूर्व से स्थापित योजना को देखकर ग्राम में निवासरत प्रत्येक परिवार को घरेलू

नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना। ग्रामीण क्षेत्र की प्रत्येक शाला एवं आंगनबाड़ी में बच्चों के लिए पेयजल की उपलब्धता कराना। जिन ग्रामों में पेयजल की मात्रा एवं गुणवत्ता संबंधी कोई समस्या है उन्हें समूह ग्राम योजना द्वारा उपलब्ध कराना।पेयजल, जलाशयों का जीर्णोद्धार जल संवर्धन के कार्य द्वारा किए जाएंगे। सामुदायिक योगदान के माध्यम से योजना की लागत का अंशदान सामान्य वर्ग बाहुल्य के लिए, अनुसूचित जाति, जनजाति हेतु 5 परसेंट योजना के संचालन साधारण हेतु समुदाय को जल कर देना होगा। जल कर निर्धारण संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा किया जाएगा इस तरह की की रचना बनाई गई है। राज्यपाल महोदय का पूर्व में इस क्षेत्र में जो दौरा हुआ था।उसमें प्रेमा गोपाल आदिवासी परिवार के यहां भोजन किया था।जब उनके पास आवास नहीं था।जिनकी उन्होंने मांग रखी थी,जो आज पूरी हो गई। उन्हें आज सांसद जी के द्वारा आवास प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष बज्जर सिंह गुर्जर,किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ब्रजमोहन गुर्जर, मंडल अध्यक्ष श्याम पांडे, जनपद अध्यक्ष श्रीमति वर्षा दिलीप रावत,सरपंच शिवसिंह गुर्जर, इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी गण जनप्रतिनिधि गण कार्यकर्ता गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लायंस की मोबाइल मेडिकल वैन का लोकार्पण हुआ

ग्वालियर। 1960 स्थापित लायंस क्लब ग्वालियर जो प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा क्लब है। 8 दिसंबर को कैंसर हॉस्पिटल के शीतला सहाय सभागार में मोबाइल मेडिकल वैन का लोकार्पण किया गया। यह मोबाइल मेडिकल वैन अरुणा अभय ओसवाल ट्रस्ट द्वारा लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर को दी गयी है। लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर एक सेवाभावी संस्थान हैं जिनके उद्देश्यों में कैंसर का निराकरण भी शामिल है। अतः 8 दिसंबर शीतला सहाय सभागार में इस मोबाइल मेडिकल वैन लोकार्पण हुआ लोकार्पण के पश्चयात पश्चात कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर को यह वैन संचालन हेतु प्रदान की गयी। सभा को अध्यक्ष लायन अनुपम तिवारी द्वारा प्रारंभ किया गया फिर लायन राकेश अग्रवाल द्वारा ध्वज वंदना का पाठ किया गया। लायन श्रीयांश जैन द्वारा कार्यकरण की जानकारी दी गयी। डॉ गुंजन श्रीवास्तव द्वारा वैन को कैसे प्रभावी रूप से संचालित किया जाएगा इसकी रूपरेखा बताई गयी। इस अवसर पर लायंस इंटरनेशनल की फास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर लॉयन अरुणा ओसवाल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और लायंस क्लब ग्वालियर द्वारा सबसे ज्यादा सेवा कार्य किये जाने पर अध्यक्ष लायन अनुपम तिवारी को सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि आई पी डी जी सुनील गोयल, पूर्व प्रान्तपाल लायन जी एल भोजवानी, पूर्व प्रान्तपाल लायन जी डी लड्डा ,पूर्व प्रान्तपाल लायन विकास गंगवाल उपस्थिति थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कैंसर हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर बीआर श्रीवास्तव मंच पर उपस्थित रहे। लॉयन राकेश अग्रवाल इस कार्यक्रम के प्रभारी उपाध्यक्ष थे। कार्यक्रम के समन्वयक लायन श्रेयांश कुमार जैन थे। सचिव लायन दीपक बत्रा आभार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के उपरांत वैदिक मंत्रों के मध्य मेडीकल मोबाइल वैन को लोकार्पित किया गया वैन की चाबी डॉ बी आर श्रीवास्तव और डॉ गुंजन श्रीवास्तव को सँयुक्त रूप से दी गयी। इस अवसर पर लायन सदस्य, सामाजिक संस्थाएं, मेडिकल एसोसिएशन, क्लब के अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे। यह वैन लोकार्पण के पश्चात सुदूर गांव गांव के अंचलों में जाकर ग्रामीणों को कैंसर की जागरुकता के अभियान में सहयोगी होगी एवं जांच में अपनी भूमिका निभाएगी, यदि दुर्भाग्य से जांच में कोई कैंसर से पीड़ित पाया जाता है तो उसे सही समय पर सही उपचार के लिए ग्वालियर लाने की व्यवस्था भी की करेगी।

भाजपा के भविष्य का टर्निंग प्वाइंट!

कोई माने या न माने अपना मानना है कि भाजपा के राजनीतिक इतिहास की जून 1996, मई 2014 की ऐतिहासिक तारीखों के बाद का तीसरा टर्निंग प्वाइंट दिसंबर 2022 है! अटल बिहारी वाजपेयी की पहली शपथ और नरेंद्र मोदी की पहली शपथ के बाद दिसंबर 2022 का मोड़ भविष्य में भाजपा की खाई है। हां, नरेंद्र मोदी ने भाजपा को उसी दिशा में धकेला है, जैसे इंदिरा गांधी ने 17 साल राज करते हुए कांग्रेस को धकेला था। सारे जमीनी नेता, क्षत्रप, विचार और संगठन खत्म। ले देकर एक नेता की ऊंगली पर टिकी हुई पार्टी और देश। सोचें, जरा गुजरात की ताजा भाजपा जीत पर। क्या नरेंद्र मोदी के अलावा भाजपा या उसके किसी एक भी नेता को श्रेय मिला है? क्या कोई अमित शाह, योगी आदित्यनाथ का जिक्र करता हुआ है? नरेंद्र मोदी ने खुद दो टूक कहा– मैंने (नरेंद्र) आह्वान किया। मैंने भूपेंद्र पटेल की ऐतिहासिक जीत की ठानी और वही हुआ, वैसा ही परिणाम!

नरेंद्र मोदी जब जीत की गर्वोक्ति कर रहे थे तब पीछे खड़े अमित शाह क्या सोच रहे होंगे, इसे बूझ सकते हैं। गौर करें उत्तर प्रदेश चुनाव हो या गुजरात चुनाव, अब कहीं यह सुनाई नहीं देता कि अमित शाह चाणक्य हैं या जीत के पीछे उनकी रणनीति थी। गुजरात में विजय रूपानी और उनके कैबिनेट की छुट्टी के साथ वहां जो कुछ हुआ है और आगे होगा उसमें अमित शाह या एक्स-वाई-जेड किसी भी भाजपा नेता का कोई अर्थ नहीं है। सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट होने, वोट पड़ने का वैसा ही खेला है जैसे मोरारजी देसाई, हितेंद्र देसाई आदि पुराने कांग्रेसी नेताओं, क्षत्रपों को खत्म कर इंदिरा गांधी ने घनश्याम ओझा, चिमनभाई जैसों को मुख्यमंत्री बना पार्टी को खत्म करने की गलतियां की थीं।

जान लें कि नरेंद्र मोदी ने गुजरात में जबरदस्त मेहनत इसलिए की ताकि संघ परिवार, भाजपा में मैसेज बने कि सन 2024 के लिए कोई इधर-उधर की नहीं सोचे। वे अकेले ही कमल पर बैठे ध्वजाधारी भगवा अवतार है। चौबीस में भी वे और उन्नतीस में भी वे। पुराने तमाम मुख्यमंत्रियों, नेताओं, विधायकों को बदलने का जो प्रयोग गुजरात में हुआ है वैसा ही आगे होगा। क्योंकि वे अकेले बहुत हैं। इसलिए संभव है कि गुजरात के नतीजों के बाद, इस संसद सत्र के बाद नरेंद्र मोदी उन प्रदेशों में वैसे ही प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, नेताओं की छुट्टी करें जैसे गुजरात में की थी। आगे अब भाजपा के विधायकों, सांसदों के और अधिक टिकट कटेंगे। मतलब पार्टी और ज्यादा बिना पेंदे तथा विचार के होगी। केवल भावनाओं की राजनीति।

नरेंद्र मोदी ही कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों में वैसे ही विधानसभा चुनाव लड़ते हुए दिखेंगे जैसे अभी गुजरात में चुनाव लड़ा है। 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' के सूत्र पर सन 2023 में नरेंद्र मोदी जी-20 की शिखर बैठक में विश्व नेताओं को करीबी से यह जलताएंगे कि 'इंडिया इज मोदी, मोदी इज इंडिया'। दुनिया भी लोहा मानेगी तो देश के भक्त हिंदू भी!

तय मानें नरेंद्र मोदी ही कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि राज्यों में वैसे ही विधानसभा चुनाव लड़ते हुए दिखेंगे जैसे अभी गुजरात में चुनाव लड़ा है। 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' के सूत्र पर सन 2023 में नरेंद्र मोदी जी-20 की शिखर बैठक में विश्व नेताओं को करीबी से यह जलताएंगे कि 'इंडिया इज मोदी, मोदी इज इंडिया'। दुनिया भी लोहा मानेगी तो देश के भक्त हिंदू भी!

सवाल है कैसे इससे बतौर पार्टी भाजपा खोखली होते हुए और दस-बीस सालों में खाई में गिरेगी? आखिर कुछ भी हो मोदी हिंदू धर्म ध्वजा के अवतार बन जब राजनीति कर रहे हैं तो हिंदुओं में संघ-भाजपा क्या स्थायी तौर पर स्थापित नहीं हो रहे हैं?

नहीं! जो हुआ है जो हो रहा है वह एक नेता की सत्ता उम्र तक का चमत्कार है। जादुई तमाशा है। एक अभिनेता की एक फिल्म है। फिल्म जब खत्म होगी तो सिनेमा हॉल के बाहर की सच्चाई, कलह, लड़ाई, हिंदुस्तान बनाम पाकिस्तान, बेरोजगारी, आर्थिकी असमानताओं, बरबादियों की वह रियलिटी बनी मिलेगी कि न भाजपा का अगला नेता नए अवतार के रूप में स्थापित हो सकेगा और न भक्तों में आस्था की गद्दी का क्रेज बचेगा! इंदिरा गांधी ने दुर्गा, गरीबी हटाओ, मैं गरीबी मिटाना चाहती हूं, वे मुझे हटाना चाहते हैं (जैसे नतीजों के बाद मोदी ने कहा, जुल्म बढ़ेंगे) जैसी भावनात्मक बातों में ठसके से चुनाव जीते, राज किया लेकिन कांग्रेस खोखली होती गई, विचारधारा-नेतृत्व और संगठन सब खोखले होते गए वैसा ही भाजपा का भविष्य होना है। इसलिए दिसंबर 2022 की गुजरात जीत भाजपा का टर्निंग प्वाइंट।

ओवैसी और केजरीवाल दोनों हवा में!

नरेंद्र मोदी के जादू के सिक्के का एक पहलू ओवैसी हैं और दूसरा अरविंद केजरीवाल। ओवैसी जहां विपक्ष का मुसलमान वोट काट रहे हैं वहीं अरविंद केजरीवाल विपक्ष का भाजपा विरोधी हिंदू वोट बिखेर दे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल सन 2024 में नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में अपनी हवा बनाने के चक्कर में हैं। ध्यान रहे सन 2014 में भी केजरीवाल ने वाराणसी में मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ कर मैसेज बनाया था कि वे ही मोदी के विकल्प हैं तो 2014 के बाद के गुजरात चुनावों में दम लगाकर केजरीवाल ने हवा बनानी चाही कि मोदी से उनके प्रदेश तक में सीधे लड़ने का उनमें माद्दा है। उस नाते मोदी से लड़ने वाले लड़ाकू में एक तरफ ओवैसी और दूसरी तरफ केजरीवाल!

और इन दोनों से किसको नुकसान? पूरे विपक्ष को। फिर विपक्ष भले नीतीश-तेजस्वी का एलायंस हो या गुजरात में कांग्रेस या महाराष्ट्र में अघाड़ी एलायंस। ओवैसी का मामला कुछ अलग इसलिए है क्योंकि वे धीरे-धीरे उन मुसलमानों का सेंटर बन रहे हैं, जो पानीपत की तीसरी लड़ाई की तैयारी में पकते हुए हैं। ओवैसी के पास गंवाने को कुछ नहीं है। वे अपने पंखों में धीरे-धीरे ताकत जुटाते हुए बीस सालों में मुसलमानों के यदि मोहम्मद अली जिन्ना बन गए तो पूरी कौम के महानायक। तभी तय मानें कि ओवैसी और उनकी पार्टी सन 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्यादा ताकत से चुनाव लड़ेगी। नरेंद्र मोदी को इससे कैसा गजब फायदा होगा, यह बिहार के ताजा उपचुनाव से जाहिर है। ओवैसी के वोटों के कारण ही नीतीश-तेजस्वी एलायंस का उम्मीदवार भाजपा से चुनाव हार गया।

सवाल है कि ताजा नतीजों के बाद क्या अरविंद केजरीवाल की सियासी महत्वाकांक्षा (मतलब वे ही मोदी को हरा सकते हैं) को विराम लगा या नहीं? वे आने वाले विधानसभा चुनावों में क्या आप के उम्मीदवार उतार लोकसभा चुनाव से ऐन पहले विपक्ष की हवा बिगाड़ेंगे या दिल्ली, पंजाब, हरियाणा की कोई तीस लोकसभा सीटों पर ही फोकस रखेंगे? वे गुजरात में जैसे मोदी की छप्पर फाड़ जीत के योगदानकर्ता हुए है वैसे ही क्या 2023 और 2024 के चुनावों में भी होंगे, यह लाख टके का सवाल है!

मोटा मोटी अरविंद केजरीवाल अपने ही मकड़जाल में फंसते हुए हैं। दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसलमानों ने आप से अपने को जैसे किनारे किया है वैसा आगे पंजाब में मोदी विरोधी सिक्खों में होगा। सूरत, आदमपुर और गुजरात से जाहिर है कि बनिए हिंदू को वे चाहे जितना पटाएं वे मोदी के ही भक्त रहेंगे। उन्हें भाजपा और मोदी के वोट कतई नहीं मिलेंगे। रेवड़ियों से भी वे ही वोट मिलेंगे जो कांग्रेस के हुआ करते थे या हैं। इन वोटों से न भाजपा हार सकती है और न आप के उम्मीदवार जीतेंगे। आठ साल पहले जिन बातों, जैसे तेवर से आप का जो स्पेस बना था वह धीरे-धीरे (जैसे दिल्ली में मध्य वर्ग तथा मुसलमान) सिकुड़ेगा। उस नाते विपक्ष के बीच रहकर विपक्ष का हिस्सा बन कर केजरीवाल यदि भाजपा विरोधी राजनीति करें तो आगे की गुंजाइश है अन्यथा अकेले चलो के ताने-बाने में अपने ही हाथों मकड़ी के जाल में दम तोड़ने की आप पार्टी की नियति है। हां, ओवैसी के साथ ऐसा नहीं होगा मगर केजरीवाल और आप तो अब हर तरह से अपने अकेले के मकड़जाल में फंसने वाली है।

पर औवेसी, आप भाजपा की बी टीम नहीं!

सोचे कि विपक्षी पार्टियां आपस में लड़ते हुए एक-दूसरे पर क्या आरोप लगाती हैं? क्या यह नहीं कि अमुक पार्टी भाजपा की बी टीम है। जो नेता या पार्टी बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं को ध्यान में रख कर कुछ करती है, जैसे मंदिर आदि में जाती है उनको भी ऐसा कहा जाता है और जिस पार्टी की वजह से भाजपा को थोड़ा भी फायदा हो जाए तो उसे भाजपा की बी टीम करार दिया जाता है। जैसे अभी गुजरात के नतीजों के बाद कांग्रेस पार्टी के नेता कह रहे हैं कि आप पार्टी भाजपा की बी टीम है। कांग्रेस के साथ साथ शिव सेना के नेता संजय राउत ने भी कहा कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी भाजपा की बी टीम है।

दिलचस्प बात है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के समय ममता बनर्जी ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम कहा था। उनका कहना था कि भाजपा की मदद के लिए कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां अपने उम्मीदवार उतार रही हैं। अभी पिछले दिनों ममता बनर्जी ने उप राष्ट्रपति चुनाव में परोक्ष रूप से भाजपा की मदद की। पिछले कार्यवाहक राज्यपाल के भाई के जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने तमिलनाडु गईं तो कांग्रेस के नेताओं ने उनको भाजपा की बी टीम कहा। इसी तरह कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के नेता हर समय एचडी देवगोड़ा की पार्टी जेडीएस को भाजपा की बी टीम बताते हैं। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियां असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन को भाजपा की बी टीम बताती हैं। विपक्षी पार्टियों के बीच आपस में ऐसा खेल चलता रहता है। उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को भाजपा की बी टीम कहा गया, जबकि तीन साल पहले ही बसपा और सपा ने मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ा था।

सवाल है क्या सचमुच में कोई विरोधी दल भाजपा की बी टीम है? क्या भाजपा उस कथित बी टीम को कहती है कि वह कैसे चुनाव लड़े, कहां उम्मीदवार उतारे और कहां किस जाती या समूह का उम्मीदवार दे? क्या भाजपा ने आम आदमी पार्टी को कहा था कि वह गुजरात में सभी सीटों पर चुनाव लड़े? यह कहना अतिशयोक्ति है कि भाजपा कई विपक्षी पार्टियों को हैंडल कर रही है या विपक्षी पार्टियां उसके कहने से काम कर रही हैं।

इस तरह की बातों से हासिल कुछ नहीं होता है। उलटे विपक्षी पार्टियों में एकजुटता बनने की संभावना खत्म होती है। इस तरह के आरोप लगाने से पहले पार्टियों को मान लेना चाहिए कि हर पार्टी को अपना संगठन और वोट बढ़ाने तथा अपना विस्तार करने का अधिकार है।

अरविंद केजरीवाल कोई संत बनने के लिए राजनीति में नहीं उतरे हैं और न उनको किसी विचारधारा का झंडाबरदार बनना है। वे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनने के लिए राजनीति कर रहे हैं, जैसे बाकी पार्टियां कर रही हैं। वे गुजरात में चुनाव लड़े और उससे कांग्रेस को नुकसान हुआ लेकिन उनको कितना बड़ा फायदा हुआ? केजरीवाल की पार्टी को 13 फीसदी के करीब वोट मिले और एक झटके में उनकी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी हो गई। यदि वे चुनाव नहीं लड़ते और इस दुविधा में रहते कि चुनाव लड़ने से कांग्रेस को नुकसान और भाजपा को फायदा होगा तब तो कहीं चुनाव नहीं लड़ सकते है! राजनीति कोई एक लाइन पर चलने वाला काम नहीं है। यह एक जटिल प्रक्रिया है और एक सिद्धांत के सहारे किसी को अच्छा या बुरा नहीं ठहराया जा सकता है।

यह नहीं हो सकता है कि कांग्रेस को नुकसान हो इसके लिए आम आदमी पार्टी उसके खिलाफ न लड़े या ममता बनर्जी को नुकसान न हो इसके लिए कांग्रेस और लेफ्ट उनके खिलाफ नहीं लड़ें या के चंद्रशेखर राव का नुकसान हो इसके लिए कांग्रेस उनके खिलाफ नहीं लड़े या भाजपा को फायदा हो रहा है इसलिए ओवैसी की एमआईएम कहीं चुनाव न लड़े। आखिर ओवैसी हैदराबाद से निकल कर चुनाव लड़ने लगे तो उनके सांसदों की संख्या एक से बढ़ कर दो गई। दशकों तक उनकी पार्टी को हैदराबाद की एक सीट मिलती थी लेकिन पिछले चुनाव में उनके महाराष्ट्र की औरंगाबाद सीट पर भी जीत मिल गई। उनकी पार्टी महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक में विधानसभा का चुनाव जीती। कई जगह उनकी पार्टी के पार्षद जीते। आखिरी इसी तरह से कांग्रेस से टूट कर बनी एनसीपी, तृणमूल कांग्रेस और एनपीपी राष्ट्रीय पार्टियां बनी हैं।

सो, यह कहना कि अमुक पार्टी भाजपा की बी टीम है या भाजपा की मदद के लिए चुनाव लड़ रही है, पूरी तरह से सही नहीं है। कुछ पार्टियों की अंदरूनी मिलीभगत हो सकती है लेकिन आमतौर पर पार्टिया अपने को फैलाने-बढाने के लिए चुनाव लड़ती हैं। इसलिए अगर किसी बड़े मकसद की राजनीति करनी है, भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी एकता बनानी है तो इस तरह के निजी हमले बंद करके सबसे पहले सद्भाव बनाना होगा। पार्टियों को आपस में एक दूसरे के हितों को समझना होगा। यह ध्यान रखना होगा कि किसी एक की कीमत पर दूसरे का नुकसान नही हो। भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस को जिताने की राजनीति केजरीवाल कैसे कर सकते हैं या भाजपा को हराने के लिए ममता बनर्जी को जिताने की राजनीति कांग्रेस कैसे कर सकती है? इन दोनों स्थितियों में बीच का रास्ता निकालना होगा। जिस समझौते में एक का फायदा और दूसरे का नुकसान हो रहा हो, वैसा समझौता कभी काम नहीं करता है। सबके लाभ का समझौता होना चाहिए, जिसे विन-विन समझौता कहते हैं। सभी पक्ष के जीतने का समझौता,फार्मूला बनेगा तभी वह कारगर होगा।

शेष गपशप हाल-फिलहाल पेज पर...

जनादेश का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। राजपथ की यादों को भुला कर अपने कर्तव्य पथ पर चलना ही अब हमारा कर्तव्य है।

चुनावी चौपड़ की पांसेबाजी का महानायक

एक बात तो माननी पड़ेगी कि नरेंद्र भाई मोदी जब पिल पड़ते हैं तो अपना काम पूरा कर के ही दम लेते हैं। उन्होंने गुजरात को डेढ़ सौ पार पहुंचाने की ठान ली तो वह पहुंच गया। कुछ भी उनके आड़े नहीं आया। न अभूतपूर्व बेरोज़गारी, न शिखर छूती महंगाई, न दर्दनाक मोरबी हादसा, न अक्षम्य कोरोना कुप्रबंधन, न बेइंतिहा सामाजिक भेदभाव, न रोजमर्रा के मसले, न दीर्घकालीन चिंताएं। कुछ भी नहीं। आप कहते रहिए कि गुजरात की ज़मीनी हालत तो कुछ और कह रही थी। लेकिन नतीजे सामने हैं।

और, इस बार तो आप ईवीएम को भी नहीं कोस सकते। इसी ईवीएम ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को 40 पर पहुंचाया है और इसी ने दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी को 134 पर। मैं नहीं जानता कि ईवीएम में घुसपैठ हो सकती है या नहीं और अगर हो सकती है तो सत्तासीन खेमे ने उसमें घुस कर मनचाहे नतीजे बाहर निकालने की कोशिशें कभी की हैं या नहीं; मगर इतना मैं ज़रूर जानता हूं कि आधुनिक तकनालॉजी में उस्ताद कोई भी देश चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल नहीं करता है और जो करते भी थे, उन्होंने ईवीएम मुक्त चुनाव कराने बहुत पहले ही शुरू कर दिए हैं। इस नाते मैं अपने देश के आत्मविश्वास की दाद देता हूं और ये सवाल नहीं उठाऊंगा कि क्या हालात सचमुच ऐसे थे कि हिमाचल विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को 25 सीटें भी मिल पाएं, दिल्ली नगर निगम में उसके 104 पार्षद जीत जाएं और गुजरात विधानसभा में कांग्रेस 17 पर सिमट जाए?

जनादेश का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। राजपथ की यादों को भुला कर अपने कर्तव्यपथ पर चलना ही अब हमारा कर्तव्य है। जनादेश जनादेश है। जन-मन को प्रभावित करने के लिए कौन-कौन से सुकर्म-कुकर्म किए गए, यह सोचना हमारा काम नहीं है। इच्छित जनभावना की रचना करने के लिए अगर लुभावने गलीचे बिछाए गए हों तो उनकी मीमांसा करना हमारे अधिकार क्षेत्र के बाहर है। जनमत को वांछित आकार देने के लिए अगर हथकंडों-तिकड़मों की कंटीली बागड़ लगाई गई हो तो उसकी समीक्षा करने से लोकतंत्र की मर्यादाएं भंग हो सकती हैं। इसलिए यह सोच-विचार, समीक्षा-मीमांसा करने के पाप का भागी जिन्हें बनना है, बनें, मैं तो इस चक्कर में पड़ने को तैयार नहीं हूं।

मैं पूरे होश-ओ-हवास में, बिना किसी दबाव या लालच के, बिना किसी अनुराग या द्वेष के, शुद्ध अंतःकरण से स्वीकार कर रहा हूं कि मैं ने नरेंद्र भाई मोदी को भारत-भूमि पर बिछी चुनाव की चौपड़ का सबसे बड़ा पांसेबाज़ मान लिया है। गुजरात में तीन चुनाव जब वे जीते, तब भले ही उनकी जीत में भाजपा के कार्यकर्ताओं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पैदल-सेना और अटल बिहारी वाजपेयी-लालकृष्ण आडवाणी के चेहरों का योगदान रहा होगा, मगर 2014 से तो बड़े-से-बड़ा और छोटे-से-छोटा चुनाव नरेंद्र भाई सिर्फ़ अपने चाल-चरित्र-चेहरे पर भाजपा को जिता रहे हैं। उनकी इस सिफ़त के सामने राहुल-फाहुल, केजरी-फेजरी, ममता-फमता सब बौने साबित हो गए हैं।

सो, आठ-नौ साल से एक पूरी तरह अलग चाल-चरित्र-चेहरे वाला देश बनाने की धुन में जिस राह पर नरेंद्र भाई चले जा रहे हैं, मेरे हिसाब से उसका तीन चौथाई रास्ता उन्होंने पूरा कर लिया है। चुनाव नतीजों के बाद बृहस्पतिवार की शाम भाजपा मुख्यालय की प्राचीर से उनके भाषण में जिस समदृष्टा-भाव, उदारमनेपन और दार्शनिकता के दर्शन मुझे हुए, उसने तो मुझे भीतर तक झंकृत कर दिया है। गुजरात में 'नरेंद्र की जीत के अब तक के कीर्तिमान को भूपेंद्र द्वारा भंग कर देने' को ले कर वे जितने भावविभोर थे, उतने ही इस बात से थे कि हिमाचल में भाजपा महज़ एक फ़ीसदी वोट से कांग्रेस से पीछे रही और मतदाताओं ने वहां भी उन्हें जिताने में पूरा दम लगा दिया। पिछली बार के मुकाबले भाजपा का वोट प्रतिशत सात से भी ज़्यादा अंक नीचे गिर जाने का सांसारिक दुःख उन्हें नहीं था। आधे खाली गिलास को आधा भरा देखने के उनके इस स्वभाव से मैं गदगद हूं।

गुजरात की हिमालयी जीत के ज़श्न में उत्तर प्रदेश में रामपुर विधानसभा के अदने-से उपचुनाव को भाजपा-मुख्यालय के आंगन में हुलक-हुलक कर याद करने की नरेंद्र भाई की अदा ने भी मेरा मन मोह लिया। उनके इस बांकपन पर रीझे बिना भी मैं नहीं रह पाया कि रामपुर की उलटबांसी को ज़ोर-शोर से रेखांकित करते हुए संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के भाल पर भूले से भी इस फ़िक्र की लकीरें दिखाई नहीं दीं कि हर बार 60-70 प्रतिशत मतदान करने वाला रामपुर इस बार इतना सहमा हुआ क्यों था कि वहां सिर्फ़ 33 फ़ीसदी मतदान ही हुआ? नरेंद्र भाई ने ज़ोर दे कर कहा कि समाज का बंटवारा करने वाली शक्तियां देश का बहुत नुकसान करती हैं। उन्होंने हमें बताया कि देश का भविष्य दरारें चौड़ी करने से नहीं, दरारें पाटने से उज्ज्वल बनेगा। अब अगर नरेंद्र भाई की इन बातों पर भी मैं दीवाना हो कर न नाचूं तो मेरे जैसा कृतघ्न और कौन होगा?

हार में, जीत में; दुःख में, सुख में; संघर्ष में, आराम में प्रकाशस्तंभ की रोशनियों के हर गोल घेरे का रुख अपनी तरफ़ कर लेने की यह ढिठाई राहुल गांधी में कहां है? आपदा को अवसर बना लेने की यह महारत राहुल में कहां है? उनके तो चौए-पौए रोशनी के गोल घेरे ख़ुद की ही तरफ़ मोड़ने में दिन-रात इस तरह लगे रहते हैं कि राहुल ही रोशनी से महरूम रह जाते हैं। उनके तो अगलिए-बगलिए ख़ुद के लिए अवसरों के निर्माण में इतने रत रहते हैं कि राहुल के लिए हर रोज़ तरह-तरह की आपदाएं पैदा करते रहते हैं। ऐसे रचनाकर्मियों से घिरे राहुल 'भारत जोड़ो यात्रा' तो कर सकते हैं, लेकिन 'मोदी मुक्त भाजपा' की स्थापना का कारगर खेल वे कृत्रिम घास के मैदान पर कैसे खेल पाएंगे?

क्या आपको यह संभावना भयावह नहीं लगती कि अगर नरेंद्र भाई के कहने से 2019 में 'अब की बार, तीन सौ पार' हो सकता है और गुजरात में 'इस बार, डेढ़ सौ पार' हो सकता है तो '2024 में चार सौ चार' होना कौन-सा नामुमक़िन है? आख़िरकार, बाकी तो ठीक, नरेंद्र भाई ख़ुद भी अपने भाषणों में कहते नहीं अघाते हैं कि 'मोदी है तो मुमक़िन है'। मैं भी मानता हूं कि मोदी है तो और भले ही कुछ मुमक़िन हो-न-हो, चुनाव 'प्रबंधन' तो खूब अच्छी तरह मुमक़िन है। जनतंत्र जब उपासना-स्थल की जगह मच्छी-बाज़ार में तब्दील हो जाए तो उसे श्लोक-पाठ करने वाले ऋषियों की नहीं, गंजों को कंघी बेचने की निपुणता रखने वाले मजमेबाज़ों की ज़रूरत होती है। पता नहीं, राहुल यह बात कितनी समझते हैं?

इसलिए या तो नरेंद्र भाई के रचे नए सियासी व्याकरण को बदलने का माद्दा दिखाइए या आचार, विचार, व्यवहार और भाषा के उनके बनाए नए नियमों पर चलना सीखिए। दूसरा कोई मार्ग आपके पास है ही कहां? नरेंद्र भाई की रचनाधर्मिता से स्पर्धा बेहद मुश्क़लि है। उनके लिखे को पोंछना आसान नहीं है। आंतरिक पतनकाल तो सभी राजनीतिक दलों के लिए कमोबेश एक-सा है, लेकिन विपक्ष की सियासत में ज़रा ज़्यादा प्रतिबद्धता की दरकार होती है। लुच्चई-लफंगाई सत्ता की शेरवानी में तो ढंक जाती है, मगर प्रतिपक्ष के अंगरखे से वे बेतरह बाहर झांकती हैं। इसलिए आह भरने पर भी बदनाम हो जाने वालों को उनसे बाख़बर रहने की कलाबाज़ियां सीखनी होंगी, जिनके क़त्ल की इन दिनों चर्चा तक नहीं होती।

(लेखक न्यूज़-व्यूज़ इंडिया और ग्लोबल इंडिया इनवेस्टिगेटर के संपादक हैं।)

स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच में पुर्तगाल का स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को न खिलाना काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।इससे पहले उनके इंग्लिश क्लब, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने संकेत दिए थे कि अब उन्हें रोनाल्डो की जरूरत नहीं है। अब कतर में चल रहे वर्ल्ड कप में पुतर्गाल ने उन्हें बाहर बिठा कर एक ढंग से इशारा किया है कि अब रोनाल्डो की उन्हें भी जरूरत नहीं है।

वर्ल्ड कप: सुपरस्टार रोनाल्डो का सूरज ढल रहा ?

फिल मैकनल्टी

स्विट्ज़रलैंड के ख़िलाफ़ मैच में पुर्तगाल का स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को न खिलाना काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।इससे पहले उनके इंग्लिश क्लब, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने संकेत दिए थे कि अब उन्हें रोनाल्डो की ज़रूरत नहीं है। अब क़तर में चल रहे वर्ल्ड कप में पुतर्गाल ने उन्हें बाहर बिठा कर एक ढंग से इशारा किया है कि अब रोनाल्डो की उन्हें भी ज़रूरत नहीं है। इतना ही नहीं पुर्तगाल के कोच का रोनाल्डो को बेंच पर बिठाने का प्रयोग सफल भी रहा। पुर्तगाल के कोच सेंटोस को इस हिम्मत का पुरस्कार भी मिला। और पुर्तगाल ने स्विटज़रलेंड को 6-1 से हरा दिया। अब पुर्तगाल वर्ल्ड कप के क्वार्टरफाइनल में मोरक्को से खेलेगा।

कोच सेंटोस ने पिछले ग्रुप मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ रोनाल्डो को बदल कर युवा खिलाड़ी गोंकेलो रामोस को खिलाया था। इसकी काफी आलोचना हुई थी। लेकिन रामोस को खिलाना कोच के लिए जैकपॉट जैसा फ़ैसला बन चुका है।रामोस ने स्विटज़रलैंड के ख़िलाफ़ शानदार हेट्रिक लगा कर खूब वाहवाही बटोरी।

पिछले कुछ वक्त से 37 साल के रोनाल्डो के अभिमान को चोट लगती रही है। पहले मेनचेस्टर यूनाइटेड के साथ उनका करियर झगड़े के साथ खत्म हुआ।

और अब पुर्तगाल की टीम ने वो किया, जिसकी कल्पना करना भी मुमकिन नहीं था। रोनाल्डो के साथ पिछले 31 मैच और यूरो 2008 से पहले से चला आ रहा टीम का समीकरण मानो जैसे टूट गया हो।

पुर्तगाली कोच को साहसिक फैसला

मंगलवार को पुर्तगाल ने रोनाल्डो को फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के स्टार्टिंग लाइन-अप से दूर रखा।निश्चित तौर पर ये वर्ल्ड कप में किसी खिलाड़ी के सेलेक्शन को लेकर अब तक का सबसे साहसी फ़ैसला था। पुर्तगाल के कोच के तौर पर भी सेंटोस के अपने आठ साल के कोचिंग करियर का ये सबसे बड़ा फैसला था।

सेंटोस के खाते में यूरो 2016 की जीत भी है। उन्हें अंदाजा होगा कि वो कितना बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। अगर पुर्तगाल हार जाता तो वर्ल्ड कप से बाहर होने का आरोप क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर नहीं बल्कि सेंटोस पर लगता। इसके बावजूद मैच के दौरान सेंटोस के चेहरे पर उनकी दृढ़ता दिख रही थी। दूसरी ओर, मैच में पुतर्गाल ज्यादा फुर्तीला और ख़तरनाक लग रहा था। जबकि ऐसे मैचों में अक्सर सबकी नज़र रोनाल्डो की छा जाने वाली मोजूदगी पर रहती है।

स्विट्ज़रलैंड के ख़िलाफ़ मैच में पुर्तगाल बर्नार्डो सिल्वा और ब्रूनो फर्नांडिस जैसे मिड फिल्डर के दम पर शानदार खेल दिखा रहा था।

मैच में उनकी बदौलत बेन्फिका के 21 साल के स्ट्राइकर रामोस के पास गेंद पहुंचती रही, जो अब तक इस तरह के गोल स्कोरिंग स्टेज के दौरान अनजान रहे थे। लेकिन रोनाल्डो को गैर मोजूदगी में उन पर जो भी बोझ था, उसे उन्होंने हल्का कर दिया।

इससे पहले थोड़ा दब कर खेल कर रहे बेहद प्रतिभाशाली जोआओ फेलिक्स भी खुलकर खेलते दिखे।

रामोस की हैट्रिक काफी सधे हुए अंदाज में आई। ये गोल पोस्ट फिनिश के नजदीक से किए गए और हर बार स्विटज़रलैंड के गोलकीपर के ऊपर से निकले ।

इस गेम से पहले रोनाल्डो वर्ल्ड कप नॉकआउट फुटबाल में 514 मिनट खेल चुके थे और उन्होंने एक भी गोल नहीं किया था। लेकिन रामोस ने सिर्फ 67 में ही तीन गोल दाग दिए।

39 साल के धुरंधर डिफेंडर पेपे ने दिखाया कि सेंटोस के लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती। उन्होंने दो गोल किए वहीं रामोस ने दिखाया कि वो गोल बना भी सकते हैं और दाग भी सकते हैं। राफेल गुइरेरो ने चौथा गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया था।

इस दौरान कैमरे की नज़र रोनाल्डो के चेहरे पर एक-एक भाव पर लगी थी। पुर्तगाल के राष्ट्रीय नायक के चेहरे पर पहली बार यह दिख रहा था कि मेनचेस्टर यूनाइटेड के बाद पुर्तगाल टीम के साथ भी उनका करियर खत्म हो सकता है।जैसे ही पुर्तगाल का राष्ट्रीय गान खत्म हुआ उन्हें सैकड़ों कैमरामेन ने घेर लिया। ये लम्हे बता रहा थे कि उनकी गैर मोजूदगी में पुर्तगाल की टीम स्विटज़लैंड को बुरी तरह हरा कर बीस साबित हुई है।

रामोस की बदौलत पुर्तगाल जब 5-1 पर पहुंचा तो लुसेल स्टेडियम रोनाल्डो-रोनाल्डो से गूंजने लगा। गोल करने के बाद रोनाल्डो 'सियू-सियू' कहकर सेलेब्रेट करते हैं। उनके इस सिग्नेचर स्टाइल से स्टेडियम गूंज रहा था।

ऐसा लग रहा था कि नारे मैच देखने आए स्थानीय लोग लगा रहे थे, जो पैसा खर्च कर रोनाल्डो को देखने आए थे।इनमें स्विटज़रलैंड के फैन्स भी रहे होंगे, जो शायद उम्मीद कर रहे थे कि सेंटोस उनकी टीम के लिए आफत बने रामोस को हटा दें। आखिर जब सिर्फ 16 मिनट बचे तो रोनाल्डो को जोआओ फेलिक्स की जगह उतारा गया और उनका स्वागत किसी पॉप स्टार की तरह हुआ।

यह अजीब लग रहा था। इसमें थोड़ा शर्मसार होने जैसा भाव था। रोनाल्डो का एक नॉक आउट मैच में इस तरह आख़िर में उतरना व्यर्थ ही लग रहा था। ये ढलते करियर की ओर इशारा था।बहरहाल, जोआओ फेलिक्स की जगह उतारे गए रोनाल्डो को जब-जब गेंद मिलती लोगों को लगता था अब कुछ होगा। अंदर बैठे लोग रोनाल्डो के पुराने जादू को देखने के लिए बेताब थे। ऐसा जादू होने ही वाला था जब वह एक जोरदार शॉट के साथ तेजी से आगे बढ़े लेकिन रेफरी ने ऑफसाइड का फ्लेग लहरा दिया।

क्या ये रोनाल्डो की ढलान है?

और तो और रोनाल्डो का थोडे वक्त के लिए फील्ड में उतरने का आकर्षण भी एक युवा पुर्तगाली स्ट्राइकर राफेल लियो ने चुरा लिया। रोनाल्डो मैदान पर थे पर छठा गोल लियो ने दागा।फाइनल सिटी बजते ही रोनाल्डो ने भीड़ को चीयर किया। और फिर स्टेडियम को अपनी पुतर्गाल टीम के साथियों के लिए छोड़ दिया जो इस जीत के नायक थे। खास कर उन खिलाड़ियों के लिए जिन्होंने इस वर्ल्ड कप में अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया था और जो किसी भी टीम के लिए ख़तरनाक चुनोती साबित होने वाले हैं।

स्विटज़रलैंड के ख़िलाफ़ मैच खत्म होने के बाद मैदान से बाहर जाते रोनाल्डो। इस दौरान रोनाल्ड-रोनाल्डो के नारे लग रहे थे।रोनाल्डो इस टूर्नामेंट में अभी भी अपना निर्णायक योगदान दे सकते हैं। लेकिन वे एक नए क्लब को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश में भी हैं। हालांकि लगता नहीं है कि मोरक्को के ख़िलाफ़ वह पहले 11 खिलाड़ियों में दिखेंगे।अपनी तुनकमिज़ाजी और क्लब के बारे में बड़बोले विचारों की वजह से मैनचेस्टर यूनाइटेड से निकाले जाने के बाद रोनाल्डो अब खुद को हाशिये पर पा रहे हैं। शायद उनके दिमाग में भी ये भी आ रहा होगा कि वो पुर्तगाल टीम में अब उनके लिए वो जगह नहीं बची है जो पहले कभी थी। एक ज़माने में रोनाल्डो को कभी पुर्तगाल का भविष्य कहा जाता था। पर वो तेजी से अतीत की तरह दिखने लगे हैं। भविष्य अब रामोस और लियो जैसे उभरते सितारों का लग रहा है। सवाल ये है कि अब एक क्लब और देश के चूके हुए नायक की जगह क्या होगी। फ़िलहाल लगता है कि मोरक्को के ख़िलाफ़ मैच में वो जगह एक बार फिर बेंच ही होगी।(साभार- बीबीसी.कॉम/हिंदी)

'कश्मीर फाइल्स'से 'दृश्यम 2'का बॉलीवुड 2022

साल 2022 में बॉलीवुड की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिटीं तो कुछ फिल्में सुपरहिट भी साबित हुईं। हांलाकि कई बड़े बजट की फिल्मों ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया तो वहीं कई छोटे बजट की फिल्मों पर पैसों की खूब बरसात हुई। साल की शुरुआत में आई फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने खूब कमाई की है। तो वहीं, रामसेतु जैसी फिल्में कुछ खास नहीं कर पाईं। इस साल की बात करें तो कुल मिलाकर फिल्म इंडस्ट्री में कभी खुशी कभी गम जैसा माहौल रहा। हम आपको बता रहे हैं इस साल की सबसे कमाई फिल्मों के बारे में।

1- दृश्यम 2

अजय देवगन, श्रेया सरन और तब्बू स्टारर फिल्म दृश्यम 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। बीते 18 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म दृश्यम धीरे-धीरे करके बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बनाया है। फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई 154.49 करोड़ रुपए की कर ली है। बता दें कि, 50 करोड़ की बजट में बनी ये फिल्म की कमाई इस साल 200 करोड़ के पार जानें का अनुमान लगाया जा रहा है।

2- द कश्मीर फाइल्स

700 स्क्रीन पर रिलीज हुई अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' 18 मार्च, 2022 को रिलीज की गई थी। पहले दिन इस फिल्म ने सिर्फ 3.36 करोड़ के साथ खाता खोला। लेकिन फिर ये फिल्म कश्मीर विषय से जुड़ी होने की वजह से इतनी चर्चा में आ गई कि इसकी स्क्रीन्स सीधे 2000 से ज्यादा कर दी गई थी और पहले हफ्ते में इसने 96 करोड़ का बिजनेस कर डाला। 'द कश्मीर फाइल्स' ने भारत में कुल 250 करोड़ की कमाई की तो वर्ल्ड वाइड इसने 87.23 करोड़ रुपये जुटाए। यानी कुल मिलाकर दुनिया भर में 337.23 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

3- भूल भुलैया 2

20 मई 2022 को कार्तिक आर्यन, कियारा और तब्बू स्टारर फिल्म भूल भुलैया 2 सिनेमाघरों में 3100 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। पहले दिन 13 करोड़ रुपये की कमाई के साथ खाता खोला तो फर्स्ट वीक कलेक्शन 55.16 करोड़ रुपये रहा। अनीज बज्मी के निर्देशन में बनी भूल भुलैया 2 ने भारत में कुल 221.33 करोड़ का कलेक्शन किया तो वर्ल्डवाइड 45.55 करोड़ रुपये जुटाए। यानी कुल मिलाकर दुनिया भर में 266.88 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

4- गंगूबाई काठियावाड़ी

आलिया भट्ट स्टारर और संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी गंगूबाई काठियावाड़ी 25 फरवरी, 2022 को 3400 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले दिन 9.62 करोड़ की कमाई की तो पहले हफ्ते में 37 करोड़ जुटाने में कामयाब हुई। भारत में इसने 153.69 करोड़ का कलेक्शन किया। जबकि विदेशों में इसने 56.08 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। दुनियाभर से इस फिल्म ने कुल 209.77 करोड़ रुपये जुटाए।

5- ब्रह्मास्त्र

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ब्राह्मस्त्र 9 सितंबर, 2022 को देशभर में 5019 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है थी। जबकि दूसरे देशों में इसे 3894 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। ब्रह्मास्त्र को कुल मिलाकर 8913 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। सोशल मीडिया पर बॉयकॉट के बावजूद फिल्म ने दुनियाभर में भारी कमाई की है। ब्रह्मास्त्र सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भर में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही है। अब तक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 431 करोड़ रुपये की कमाई की।

6- जुग जुग जियो

वरुण धवन, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी और अनिल कपूर की जुग जुग जियो ने पहले दिन 9.28 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। 24 जून, 2022 को रिलीज हुई फिल्म पहले हफ्ते भारत में इसने 28.93 करोड़ का कलेक्शन किया था। 85 करोड़ की बजट में बनी ये फिल्म भारत में कुल 101 करोड़ का कलेक्शन किया। जबकि पूरी दुनिया में 135 करोड़ की कमाई की। (साभार- दिक्विंट)

वनांचल ग्रामों के ग्रामीणों से रूबरू हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। शनिवार 10 दिसंबर को लांजी किरनापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक और भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामों का दौरा किया। श्री भटेरे ने

स्कूली बच्चों एवं परिजनों से की वन टू वन चर्चा

देवरबेली, बेलगांव, लोडामा, बंजरटोला, नेवरवाही और बगड़ी ग्राम का दौरा किया। इस दौरान इनके द्वारा प्रत्येक ग्रामों के स्कूलों और वहां के मध्यान्ह भोजन किचन शेड का निरीक्षण किया और स्कूली बच्चों से वन टू वन बात कर वहां की समस्याओं के बारे में जाना। साथ ही बंजरटोला और बगड़ी में ग्रामीणों को कंबलो का वितरण किया। रमेश भटेरे के इस दौरे के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष लांजी आलोक चौरसिया, सूरज गुप्ता वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, ताराचंद कालबेले, दिनेश कचवाहे, संजय सैयाम, लालू मनीष अग्रवाल, शालू अली, देवरबेली से सुरेंद्र मरावी सरपंच, ममता मार्सकोले उपसरपंच, सीताराम बाहें, रमेश यादव, अग्घन यादव, भूपेंद्र मरकाम, रुमन धुर्वे, नेवरवाही से झामेंद टिकेश्वर, भैयालाल दांदरे, दिलीप सत्कार, संजय सरकार, धीरज वाहने, श्रीराम आचरे सरपंच सर्रा, लक्ष्मण परते, राधेश्याम दांदरे, अमित घोंघड़े, खेमराज सोनवाने, मोतीराम उइके, सुनील येडे, अशोक मार्सकोले, मुन्नलाल उईके आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विद्यालयों में छात्रों से संवाद कर, मध्यान भोजन के लिए बाटी बर्तन सामग्री-इस दौरे में भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने सबसे पहले देवरबेली के प्राथमिक शाला में छात्रों के साथ संवाद किया। छात्रों को मुख्यमंत्री का नाम, प्रधान मंत्री का नाम, राष्ट्रपति का नाम पूछा तो वहीं छात्रों को विद्यालय में कौन कौन सी परेशानी होती है इसके बारे में सुना। इसके साथ ही मध्यान भोजन के लिए 50 थाली और ग्लास सहित अन्य सामग्री का वितरण किया। देवरबेली के साथ साथ बेलगांव में भी स्कूल में छात्रों के मध्यान भोजन करने के लिए थाली और ग्लास बाटा।

विद्यार्थियों को शासकीय योजना से कराया अवगत-श्री भटेरे ने सभी ग्रामों में अपनी सभा वहां के स्कूलों में रखी थी। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए पूछा कि उन्हें कौन कौन सी योजना का लाभ मिल रहा है अथवा नहीं मिल रहा है। सभी विद्यार्थियों को आयुष्मान कार्ड बना है या नहीं इस बारे पूछा और बताया कि इस कार्ड के जरिए 5 लाख रुपए तक का उपचार मुफ्त में हो रहा इसलिए सभी को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए बोला है। इसके साथ ही सभी को राशन मिल रहा है या नहीं, संबल कार्ड बना है या नहीं, छात्राओं को लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं अन्य योजनाओं के बारे में अवगत कराया।

बेलगांव के मध्यान भोजन में पाई अनियमितता, गुणवत्ता लाने किया निर्देशित-रमेश भटेरे जब बेलगांव के माध्यमिक शाला पहुंचे और वहां छात्रों से संवाद करते हुए छात्रों को उनकी समस्याओं के बारे में पूछा तो इस दौरान छात्रों ने बेझिझक बताया कि उन्हें मध्यान्ह भोजन में सही प्रकार से खाना नहीं मिलता। छात्रों का कहना था कि उन्हें कभी कभी चावल में कचरा तो कभी अधपका खाना मिलता है। इसके साथ ही पूरे खाने को स्वादहीन बताया जिसके बाद श्री भटेरे ने मध्यान भोजन में मिलने वाले खाना और अनाज का निरीक्षण किया जहां खाना बनाने वाले रसोइया को तत्काल खाना बनाने में गुणवत्ता लाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही मौके पर ही एसडीएम ज्योति ठाकुर जो कि छुट्टी में उनके वापस लौटते ही बेलगांव के माध्यमिक शाला का निरीक्षण करने कहा है।

बढती ठंड को देखते हुये ग्रामीणों को बांटे कंबल-जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ कई वनांचल ग्रामों का दौरा किया। वही वनांचल ग्रामों मे बसे आदिवासी, गोंड परिवारों को बढ़ती ठंड को देखते हुए बंजरटोला और बगड़ी ग्राम के प्रत्येक ग्रामीणों को कंबल का वितरण किया जोकि उन्हे ठंड के लिये बहुउपयोगी होगा।

बैतूल में बोरवेल में गिरे तन्मय ने तोड़ा दम, साढ़े चार दिन चला रेस्क्यू ऑपरेशन

बैतूल। बैतूल में मंगलवार की शाम से बोरवेल गिरे बच्चे तन्मय को निकाल लिया गया है, लेकिन तन्मय ने अब दम तोड़ दिया है. बताया जा रहा है कि रात ढाई बजे एनडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकाला. तन्मय 6 दिसम्बर की शाम बोरवेल में गिरा था. साढ़े चार दिन चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तन्मय का शव मिल पाया है. तन्मय के शव को जिला अस्पताल लाया जा रहा है. एडीएम बैतूल एस जयसवाल से मिली जानकारी के मुताबिक तन्मय का पोस्टमार्टम खत्म हो चुका है. पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चेस्ट कन्जेकशन और रिब्स ब्रेक होना मौत की वजह पाया गया. वहीं परिजनों ने बैतूल जिला अस्पताल से शव को लेकर मांडवी गांव के लिए रवाना हुए. वहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर कहा कि दुःख की इस घड़ी में तन्मय का परिवार स्वयं को अकेला न समझे, मैं और संपूर्ण मध्य प्रदेश परिवार के साथ है. राज्य सरकार की ओर से पीड़ति परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता दी जायेगी. ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें.

विनम्र श्रद्धांजलि!

55 फीट की गहराई में फंसा था तन्मय-दरअसल, मध्य प्रदेश के बैतूल में 8 साल का तन्मय मंगलवार शाम से ही बोरवेल में फंसा हुआ था. 55 फीट की गहराई पर फंसे तन्मय को बचाने के लिए 62 घंटे से राहत कार्य जारी था, लेकिन पानी और पत्थरों की वजह से प्रशासन को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था और मासूम के रेस्क्यू में देर होती जा रही थी. जानकारी के मुताबिक, प्रशासन तन्मय की पहुंच से काफी दूर थे. बच्चे को डायरेक्ट बोरवेल से निकालना मुश्किल था, इसलिए टीम ने बगल में एक गड्ढा खोदकर सुरंग के जरिए तन्मय तक पहुंचने का प्लान बनाया था. कल तक 8 फीट तक सुरंग खोदी जा चुकी थी, लेकिन 2 फीट बाकी थी.

बच्चे को बचाने में हो रही देरी, परेशान मां का फूटा गुस्सा-बोरवेल में फंसे मासूम तन्मय की मां का रो-रोकर बुरा हाल है. मां ज्योति साहू ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बच्चे को बचाने में इतना टाइम लगा रहा है. इतना टाइम लगता है क्या? ऊपर से देखने भी नहीं दिया जा रहा कि क्या हो रहा है. मां का कहना है कि फिल्मों में जल्दी बचाव कार्य हो जाता है, लेकिन असल जिंदगी में नहीं. 3 दिन हो गए हैं और वह अपने बच्चे को सलामत देखना चाहती हैं. नाराज मां ने कहा कि अगर यह कोई नेता का बच्चा होता, तो इतना टाइम नहीं लगता.

मैनपुरी में जीत के बाद पोस्टरों में दिख गया चाचा का कद

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में तीन सीटों के चुनाव परिणाम समाजवादी पार्टी गठबंधन के पक्ष में आए हैं. तीन सीटों में से दो पर सपा गठबंधन ने जीत दर्ज की है. लेकिन पार्टी के लिए मैनपुरी उपचुनाव में जीत सबसे ज्यादा मायने रखती है. इस जीत ने शिवपाल सिंह यादव का कद पार्टी में काफी बढ़ा दिया है. बाकी कसर जसवंतनगर की लीड ने पूरी कर दी है. वहीं मैनपुरी उपचुनाव का रिजल्ट आने के बाद शिवपाल सिंह यादव की पार्टी का विलय सपा में हो गया. जिसके बाद चर्चा शुरू हो गई है कि अब सपा में शिवपाल यादव का क्या कद और रोल होगा। हालांकि इससे पहले मैनपुरी उपचुनाव में जीत के बाद लगे पोस्टरों में उनका कद नेताजी के बराबर में नजर आया. पोस्टरों में एक ओर मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव की तस्वीर लगी है, जबकि दूसरी ओर डिंपल यादव और अखिलेश यादव की. यानी नेताजी के बराबर का कद शिवपाल यादव का पोस्टरों में तो नजर आ गया. लेकिन अब पार्टी में उनका क्या रोल होगा ये काफी अहम होगा. हालांकि लखनऊ में पार्टी दफ्तर के बाहर लगे पोस्टरों लेकिन अभी तक पार्टी ने शिवपाल यादव के रोल को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं आई है. बता दें कि मैनपुरी

ने आगे की झलक को काफी हद तक दिखा दिया है.

बता यहीं खत्म नहीं होती, जीत के बाद अखिलेश यादव ने चाचा को लेकर कहा था, जसवंतनगर के विधायक और चाचा शिवपाल यादव ने मौके पर पहुंच कर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है. जसवंतनगर ने अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया है. उपचुनाव सपा प्रत्याशी और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने रिकॉर्ड वोटों से जीत दर्ज की है. उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य को करीब 2.88 लाख वोटों से हराया है. इसमें सबसे ज्यादा लीड उन्हें जसवंतनगर से मिली थी. यहां उन्हें करीब 1.06 लाख वोटों की लीड मिली थी.

रॉकेट से भारतीय अभिनेता देव जोशी लगाएंगे चांद का चक्कर

टोक्यो। जापान के अरबपति युसाकु मेज़वा ने उन आठ चालक दल के सदस्यों के नामों की घोषणा कर दी है, जो स्पेसएक्स रॉकेट में सवार होकर 2023 में चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे.

फिलहाल एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स रॉकेट का निर्माण कर रही है, जिसका इस साल के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है. इस चंद्र मिशन को डियर मून के नाम से जाना जाता है और इसकी घोषणा 2018 में की गई थी. मेज़वा ने इस मिशन की घोषणा करते हुए शुरुआत में कहा था कि वह छह से आठ कलाकारों के दल को आमंत्रित करेगा. हालांकि बाद में उन्होंने चालक दल के चयन की प्रक्रिया को एक प्रतियोगिता का रूप दे दिया, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना था. मेजवा के डियर मून मिशन के लिए चुने गए आठ चालक दल के सदस्य हैं अमेरिका के डीजे और निर्माता स्टीव आओकी, एक अमेरिकी यू-ट्यूबर टिम डोड, चेकोस्लोवाकिया के कलाकार येमी एडी, आयरिश फोटोग्राफर रियानोन एडम, ब्रिटिश फोटोग्राफर करीम इलिया,अमेरिकी फिल्म निर्माता ब्रेंडन हॉल और भारतीय अभिनेता देव जोशी समेत दक्षिण कोरिया के के-पॉप संगीतकार टॉप. इसके अलावा अमेरिका के स्नोबोर्डर कैटलिन फ़ारिंगटन और जापान के डांसर मियू बैकअप के रूप में चालक दल के सदस्य होंगे. डियर मून वेबसाइट पर मिशन प्रोफाइल के अनुसार चंद्रमा का चक्कर लगाने से जुड़ी यह यात्रा लगभग छह दिनों की होगी. इस दौरान स्पेसएक्स रॉकेट चंद्रमा पर लैंडिंग नहीं करेगा, बल्कि सिर्फ उसके चक्कर लगाएगा.

मेजवा को चालक दल से यह है उम्मीद-स्पेसएक्स रॉकेट के चालकदल के सदस्यों के नाम को घोषणा करते हुए युसाकु मेजवा ने यू-ट्यूब वीडियो में कहा, मुझे उम्मीद है कि हर कोई अपनी जिम्मेदारी को समझेगा जो पृथ्वी छोड़ने, चंद्रमा तक की यात्रा करने और वापस आने के साथ जुड़ी है. वे इस अनुभव से बहुत कुछ हासिल करेंगे और मुझे उम्मीद है कि इसका उपयोग पृथ्वी रूपी ग्रह और मानवता के प्रति अपने योगदान के रूप में करेंगे. गौरतलब है कि निर्माण पूरा हो जाने पर स्पेसएक्स की स्टारशिप अब तक निर्मित सबसे शक्तिशाली रॉकेट होगा. शुरुआती चरण में स्पेसएक्स रॉकेट पृथ्वी के वातावरण की परीक्षण उड़ानों में सफल रहा है. हालांकि स्पेसएक्स ने अभी तक अंतरिक्ष की कक्षा के लिए एक भी परीक्षण उड़ान नहीं भरी है. यह अलग बात है कि संस्थापक एलन मस्क ने बार-बार वादा किया है कि 2022 के अंत तक परीक्षण उड़ान भी हो जाएगी. जापान के सबसे बड़े ऑनलाइन फ़ैशन मॉल के मेगा-अमीर संस्थापक मेज़वा ने पिछले साल एक रूसी सोयुज रॉकेट पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी.

गुजरात में कांग्रेस की हार पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का बयान

इंदौर। इंदौर के दौरे पर रहे केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुजरात में बीजेपी की प्रचंड जीत पर प्रतिक्रिया दी. साथ ही उन्होंने कांग्रेस निशाना साधा है. सिंधिया ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई, जिसके बाद अब कांग्रेस अपना वजूद ढूंढने में लगी है. मिडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में बीजेपी ने सभी प्रतिद्वंदियों को धूल चटाते हुए रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की है. पार्टी ने 156 सीटों पर परचम लहराया है. बीजेपी ने जीत के साथ ही प्रदेश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत और कांग्रेस की करारी हार पर कांग्रेस पर निशाना साधाते हुए कहा, आज कांग्रेस की हालत यह है कि वो अपना वजूद ढूंडने पर मजबूर है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हिमाचल प्रदेश में आये नतीजों पर कहा कि कांग्रेस की जीत जरूर हुई है और भले ही वो बहुमत में भी आ गई पर दोनों पार्टियों के बीच जो जीत का अंतर रहा वह काफी कम रहा है. बता दें हिमाचल प्रदेश चुनाव में कांग्रेस को 40 सीटें मिली हैं. जबकि बीजेपी को चुनाव में 25 सीटें मिली हैं. उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के बीच जीत-हार का अंतर महज एक फीसदी रहा. इससे पहले के चुनावों में जीत-हार का अंतर छह से सात फीसदी का होता था इससे जाहिर होता है कि बीजेपी को किस कदर हिमाचल के लोग पसंद कर रहे हैं.

यूपी में कांग्रेस का प्लान, क्या सपा या बीएसपी के साथ अब नहीं होगा गठबंधन

यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस क्षेत्रीय दल नहीं है, कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है. राष्ट्रीय पार्टी किसी से हाथ मिलाने नहीं जाती है. जिसको हाथ मिलाने नहीं जाती है, जिसको हाथ मिलाना होता है उसके दरवाजे आती है. यूपी कांग्रेस अध्यक्ष का ये बयान ऐसे वक्त में आया है जब राहुल गांधी यूपी में आने वाले हैं. इसके लिए राज्यस्तरीय भारत जोड़ो यात्रा राज्य में चल रही है. इसी दौरान कानपुर में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का ये बयान आया है. दरअसल, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और प्रांतीय अध्यक्ष राज्य में हर जिलों का दौरा कर रहे हैं. इस दौरान वे स्थानिय स्तर पर जाकर नेताओं से भी बीते दिनों में मिले हैं. यूपी में कांग्रेस ने बृजलाल खाबरी को पार्टी अध्यक्ष बनाने के बाद छह प्रांतीय अध्यक्ष भी नियुक्त किए थे. तब पार्टी ने राज्य में नसीमुद्दीन सिद्दकी, अजय राय, वीरेंद्र चौधरी, नकुल दुबे, अनिल यादव और योगेश दीक्षित को प्रांतीय अध्यक्ष

की जिम्मेदारी दी गई थी. बता दें कि यूपी में बीते दो उपचुनावों से कांग्रेस दूर रही है. जबकि इससे पहले पार्टी ने 2014 में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ा था. इसके बाद 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा. हालांकि विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद फिर ये गठबंधन टूट गया. जिसके बाद 2019 में लोकसभा और 2022 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने अकेले लड़ा था. तब लोकसभा चुनाव में पार्टी केवल एक सीट और विधानसभा चुनाव में केवल दो सीट जीत पाई थी.

पश्चिमी यूपी में शर्द हवा के कारण ठंड के साथ बढ़ेगी कनकनी

यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर दिखाने लगा है. बीते काफी दिनों से पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ रही है. बर्फबारी से यूपी समेत पूरे उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की जारी है. वहीं कई जगहों पर शीतलहर का असर दिखने लगा है. मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी यूपी में अगले दो दिनों में शर्द हवाएं ठंड के साथ कनकनी बढ़ा सकती है. जबकि पूर्वांचल में भी बीते दो दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है.

लखनऊ-राजधानी लखनऊ में बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. शनिवार को जिले के तापमान में हल्की गिरावट के वजह से ठंड बढ़ी है. लेकिन बीते दो दिनों के मुकाबले शनिवार को हवा तेज रहने की संभावना है. वहीं जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है. राजधानी में वायु प्रदुषण खराब की श्रेणी में है. शनिवार की सुबह राजधानी के तालकटोरा इंडस्ट्रियल इलाके में, त्क्ष्ठ 230 दर्ज किया गया है.

नोएडा-दिल्ली एनसीआर में आने वाले यूपी के इस इलाके में शनिवार को तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा. तापमान में बदलाव नहीं होने के बाद भी

हवाओं के कारण कनकनी भी बढ़ सकती है. वहीं न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की संभावना है. नोएडा में शनिवार को वायु प्रदुषण बहुत खराब की श्रेणी में दर्ज किया गया. नोएडा के सेक्टर 116 में 342 दर्ज किया गया है.

वाराणसी-वाराणसी में अगले कुछ दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना है. जिले में शनिवार को तेज हवाओं के कारण ठंड में बढ़ोतरी हो सकती है. यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है. हालांकि वाराणसी में वायु प्रदुषण अच्छा की श्रेणी में है. जहां बीएचयू वाले इलाके में शनिवार की सुबह 75 दर्ज किया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को प्रयागराज में 10 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर में 11 डिग्री सेल्सियस, मेरठ में 10 डिग्री सेल्सियस, बरेली में 10 डिग्री सेल्सियस, बहराइच में 11 डिग्री सेल्सियस, झांसी में 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इन जिलों में कोहरा होने का भी अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है.

तुर्की ने रूस के 15 तेल जहाजों को रोका, बीमा न होने की वजह बताया

अंकारा। रूसी तेल पर यूरोपीय प्रतिबंधों के बीच बीमा नहीं होने के चलते पंद्रह तेल टैंकरों को तुर्की

जलडमरूमध्य से गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. तुर्की के समुद्री प्राधिकरण ने यह जानकारी दी. तुर्की के समुद्री मामलों के महानिदेशालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण इन जहाजों का संरक्षण और क्षतिपूर्ति (पी एंड आई) बीमा अमान्य है और इस तरह के बीमा की भरपाई दुर्घटना की स्थिति में नहीं की जा सकती. बयान में कहा गया है, कच्चे तेल के टैंकर जिनके पास वैध पी एंड आई बीमा नहीं है वो तुर्की जलडमरूमध्य से नहीं गुजर सकते और यह नियम 2002 से प्रभावी है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्राधिकरण ने कहा कि, तुर्की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निर्णयों के अलावा किसी और देश या अंतर्राष्ट्रीय संगठन के प्रतिबंधों को लागू करने के लिए बाध्य नहीं है. बयान में कहा गया है कि, 1 दिसंबर से तुर्की ने बीमा कंपनियों से इस बात की पुष्टि करना शुरू कर दिया है कि तुर्की जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कच्चे तेल के टैंकर पूरी तरह से बीमाकृत हों. रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध, जो सोमवार को लागू हुए, रूसी कच्चे तेल के परिवहन वाले टैंकरों को यूरोपीय समुद्री बीमा तक पहुंचने से रोकते हैं, जब तक कि तेल 60 डॉलर प्रति बैरल या उससे कम में नहीं बेचा जाता. तुर्की ने यूरोपीय संघ के मूल्य सीमा निर्णय से पहले अपने स्वयं के नए बीमा नियमन की घोषणा की और अब तक कई टैंकरों को तुर्की के जल में प्रवेश करने से रोक दिया गया है.

इटावा सफारी में शेरनी तेजस्विनी की बीमारी से मौत

इटावा। पिछले कुछ महीनों से लकवाग्रस्त शेरनी तेजस्विनी की इटावा के लायन सफारी में मौत हो गई. बीमार शेरनी ने खाना बंद कर दिया था, कुछ दिन पहले उसकी तबीयत खराब हो गई थी. सफारी के उप निदेशक ए.के. सिंह ने बताया कि, शेरनी करीब 20 साल की थी. उन्होंने कहा कि, शव को अब पोस्टमार्टम के लिए बरेली के आईवीआरआई केंद्र भेजा जाएगा. तेजस्विनी को 26 सितंबर 2019 को गुजरात से लाया गया था. आशा की गई थी तेजस्विनी यहां बच्चे पैदा करेगी. नर सिंहों के साथ उसका मिलन भी हुआ परन्तु वह किसी शावक को जन्म न दे सकी. इसी साल जून में इटावा लायन सफारी में कई शावकों के पिता और एशियाई शेरों की संख्या बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाले एशियाई शेर मनन की मौत हो गई थी. अधिकारियों ने कहा कि, 14 वर्षीय मनन के त्वचा कैंसर से पीड़ति होने की पुष्टि हुई है.

हल्दी के इन उपायों को करने से चमक उठेगी आपकी किस्मत

नई दिल्ली। हल्दी का प्रयोग हम खाने के रंग को उभारने के लिए करते हैं, इसके अलावा हल्दी औषधि का रूप में भी बेहद अच्छा माना जाता है. हल्दी जितना हमारे सेहत के लिए फायदेमंद है, उतना ही हम हल्दी का प्रयोग धार्मिक रिवाजों के लिए भी करते हैं. शादी में खास तौर से वर-वधू को हल्दी लगाई जाती है, हल्दी लगाने से चेहरे पर निखार आ जाती है. हल्दी सुंदरता को बढ़ाने के लिए बेहद फायदेमंद है. लेकिन क्या आप जानते हैं, हम हल्दी क प्रयोग अपने जीवन में खुशहाली लाने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं, तो आइए आज हम आपको अपने इस लेख में हल्दी के कुछ उपाय के बारे में बताएंगे, जिनके उपायों को करने से जीवन में खुशहाली आती है और घर का वातावरण सुखमय रहता है.

1.आर्थिक समस्याओं से पाना चाहते हैं छुटकारा-अगर आप आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन भगवान विष्णु को हल्दी चढ़ाएं, इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती हैं, इसके अलावा घर में आर्थिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है और जीवन में हमेशा खुशहाली बनीं रहती है.

2.जीवन में पाना चाहते हैं सफलता-अगर आप जीवन में सफलता पाना चाहते हैं या फिर आप नौकरी का तलाश में हैं, तो ऐसे में आपको घर से बाहर निकलने से पहले भगवान गणेश को हल्दी से टीका करें, उसके बाद उसी हल्दी से अपने माथे पर तिलक करें, इससे आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी.

3. काम में आ रही है बाधा-हल्दी का संबंध भगवान बृहस्पति से है, इसलिए इनको प्रसन्न करना बेहद जरूरी है. इनको प्रसन्न करने के लिए गुरुवार के दिन पीले कपड़े पहने और भगवान विष्णु को पीले वस्त्र, चने, बेसन और लड्डू अर्पित करें, उसके बाद अर्पित किए गए सामान को किसी ब्राह्मण को दान कर दें, इससे आपके सारे काम बिना किसी बाधा के पूरे होंगे.

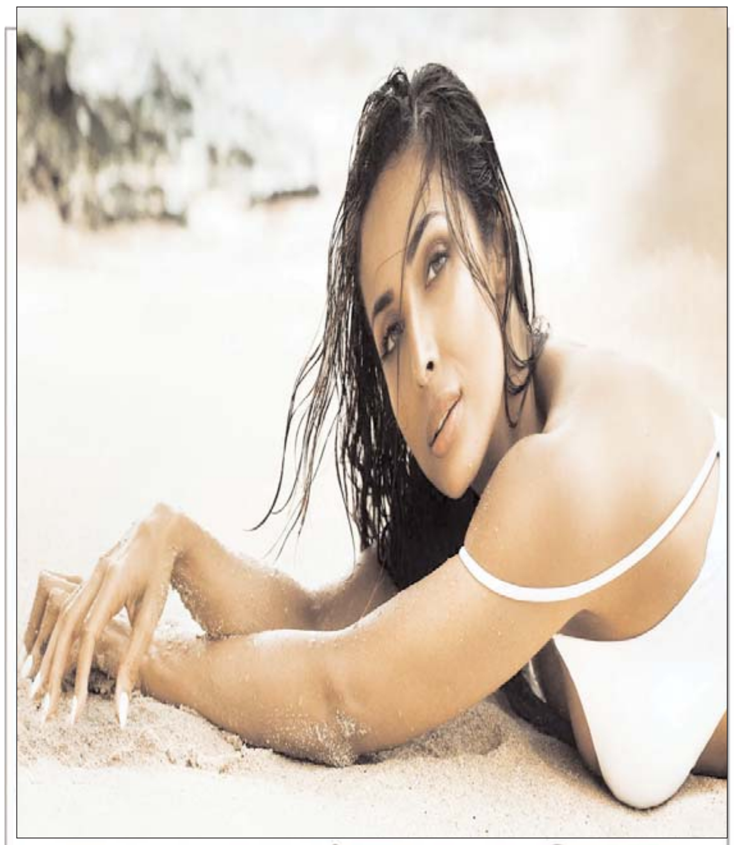

मलाइका अरोड़ा अपनी लव लाइफ के बारे में बात की

मलाइका अरोड़ा ने आखिरकार अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ अपनी लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कहा कि 'मूविंग इन विद मलाइका' के लेटेस्ट एपिसोड में उन्होंने कहा कि वह अर्जुन को डेट कर उनकी जिंदगी बर्बाद नहीं कर रही हैं। अपने रियलिटी शो के नवीनतम एपिसोड में, मलाइका ने अपने भीतर के स्टैंड-अप कॉमिक को प्रसारित किया और अपने चलने के तरीके, अरबाज खान के साथ अपने तलाक और अर्जुन के साथ संबंधों को लेकर निशाना बनाए जाने की बात की। यहां तक कि उन्होंने अपनी बहन अमृता अरोड़ा और दोस्त अनुषा दांडेकर का मजाक भी उड़ाया। मलाइका ने अर्जुन के बारे में विस्तार से बात की और कहा कि वह उन्हें डेट कर उनकी जिंदगी बर्बाद नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा,और दुर्भाग्य से न केवल मैं बूढ़ी हूं, मैं एक छोटे आदमी को भी डेट कर रही हूं। मेरा मतलब है कि मुझमें हिम्मत है। मेरा मतलब है कि मैं उसका जीवन बर्बाद कर रही हूं, है ना? मैं उसका जीवन बर्बाद नहीं कर रही हूं। ऐसा नहीं है कि वह स्कूल जा रहा था और वह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था और मैंने उन्हें मेरे साथ आने के लिए कहा। मेरा मतलब है, हर बार जब हम डेट पर होते हैं, ऐसा नहीं है कि वह क्लास बंक कर रहा है। मैं समझ नहीं पाया जब वह पोकेमॉन पकड़ रहा था तो वह सड़क पर था। मलाइका ने कहा कि अर्जुन 'एक गॉडडेम ग्रोन मेन' हैं।

अजय देवगन ने फिल्म सलाम वेंकी की तारीफ की

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी पत्नी काजोल की फिल्म सलाम वेंकी की तारीफ की है। रेवती के निर्देशन में बनीं काजोल की फिल्म सलाम वेंकी रिलीज हो गयी है। अजय देवगन ने सलाम वेंकी देखने के बाद इस फिल्म की तारीफ की है। अजय ने सोशल

मीडिया पर एक नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने काजोल के काम की जमकर तारीफ की है। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काजोल की एक फोटो पोस्ट की है, जिस पर लिखा है, 'काजोल, जिसने मेरी जिंदगी बड़ी कर दी। आप इस फिल्म में शानदार हैं। अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा, 'सलाम वेंकी ने मुझे इमोशनल कर दिया है। यह बहुत खास है। पूरी टीम का काम दिखता है। खासकर रेवती और विशाल जेठवा का। कास्ट एंड क्रू को मेरी शुभकामनाएं'। गौरतलब है कि फिल्म सलाम वेंकी अविश्वसनीय कहानी पर आधारित है, जो अपने बेटे के सामने आने वाली हर चुनौतियों का सामना करते हुए जीवन को पूरी तरह से जीने में उसकी मदद करती है। सलाम वेंकी में काजोल ,विशाल जेठवा ,राहुल बोस, राजीव खंडेलवाल, प्रकाश राज और अहाना कुमरा की अहम भूमिका हैं।

तुषार कपूर को पिता संग दोस्ती करने में 'दशक' लग गए

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर का कहना है कि उनके लिए अपने पिता व दिग्गज अभिनेता जीतेंद्र के साथ दोस्ती का रिश्ता कायम करना आसान नहीं था। अभिनेता, जो अब एक पिता हैं, ने साझा किया कि एक ऐसे युग में जब पिता-पुत्र का समीकरण पूरी तरह से अलग था, उनका रिश्ता कभी इतना दोस्ताना नहीं हुआ करता था, उन्हें अपने पिता के साथ अधिक खुले और मैत्रीपूर्ण संबंध रखने में समय लगता था। उन्होंने कहा, मैं 80 के दशक का बच्चा हूं, इसलिए मेरे अंदर हमेशा अपने पिता के लिए सम्मान की भावना रही है। लेकिन जैसे-जैसे दशक बीतते गए और जब मैं अभिनेता बना, पापा और मेरे पास हमेशा बात करने और साझा करने के लिए बहुत कुछ होता था। उन्होंने 'मुझे कुछ कहना है', 'खाकी', 'गोलमाल', 'क्या दिल ने कहा', 'जीना सिर्फ मेरे लिए', 'क्या कूल हैं हम', 'शोर इन द सिटी' और वर्तमान में सीरत कपूर और नसीरुद्दीन शाह अभिनीत अपनी फिल्म 'मारीच' का प्रचार कर रहे हैं।

41 वर्ष की हुई दीया मिर्जा

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री दीया मिर्जा आज 41 वर्ष की हो गयी। 09 दिसंबर 1981 को आन्ध्र प्रदेश के हैदराबाद में जन्मी दीया मिर्जा ने अपने करियर की शुरूआत टीवी पर विज्ञापन फिल्मों से की। वर्ष 2000 में दीया मिर्जा ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें वह दूसरे स्थान पर रही। इसके बाद दीया मिर्जा को मिस एशिया पेसेफिक प्रतियोगिता के लिये भेजा गया जिसमें वह प्रथम चुनी गयी। बतौर अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में अपनी शुरूआत वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म रहना है तेरे दिल में से की। इस फिल्म में दीया मिर्जा ने सेफ अली खान और आर.माधवन के साथ काम किया हालांकि यह फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नही रही। इसी वर्ष दीया की एक और फिल्म दीवानपन प्रदर्शित हुयी लेकिन दर्शकों को दीवाना नही बना सकी। वर्ष 2002 में दीया मिर्जा को सलमान खान के साथ तुमको न भूल पायेंगे के साथ काम करने का अवसर मिला। पंकज पराशर के निर्देशन में बनी यह फिल्म भी दुर्भाग्य से कामयाब नही हो सकी। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म तुमसा नही देखा दीया मिर्जा के करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी। अनुराग बासु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दीया मिर्जा और इमरान हाशमी की जोड़ी को दर्शकों ने काफी

पसंद किया।वर्ष 2005 में दीया मिर्जा ने विदु विनोद चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म परिणीता में काम किया। वर्ष 2006 में हीं दीया ने विदु विनोद चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई में भी अपने अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना दिया। वर्ष 2007 में प्रदर्शित संजय गुप्ता की फिल्म शूट आउट एट बडाला में दीया मिर्जा ने टीवी जर्नलिस्ट का किरदार निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का नया अंदाज दर्शकों के सामने पेश किया। इसके बाद वर्ष 2011 में दीया मिर्जा ने जायद खान और साहिल संघा के साथ मिलकर प्रोडक्शन कंपनी की स्थापना की और लव ब्रेक अप जिंदगी का निर्माण किया। दीया मिर्जा की निर्मित फिल्म बॉबी जासूस वर्ष 2014 में प्रदर्शित हुयी है। दीया मिर्जा ने अपने सिने करियर में हिंदी के अलावा तमिल,बंगला और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। दीया मिर्जा ने वर्ष 2014 में अपने मंगेतर साहिल संघा से शादी कर ली।दीया मिर्जा अभिनीत अन्य फिल्मों में तहजीब, प्राण जाये पर शान न जाये,दम, क्यूं हो गया ना, माइ बद्रर निखिल, दस, कोई मेरे दिल में है, हनीमून ट्रेवल्स प्रा.लिमिटेड, कैश, दस कहानियां, क्रेजी 4, एसिड फैक्ट्री और हंगामा पे हंगामा आदि शामिल है।

आज का पंचांग

ज्योतिषाचार्य एवम वास्तु विशेषज्ञ पंडित **मुकेश शास्त्री** फोन नं. 09414824459

दिनांक 10 दिसम्बर 2022 शनिवार। शुभ मास- पौष मास कृष्ण पक्ष। शुभ तिथि द्वितीया भद्रा संज्ञक तिथि दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तत्पश्चात तृतीया तिथि रहेगी। द्वितीय तिथि मे गृह निर्माण, गृह प्रवेश, विवाह, जनेऊ, वास्तु, प्रतिष्ठा इत्यादि मांगलिक और शुभ कार्य शुभ रहते है। द्वितीय तिथि मे जन्मे जातक धनवान, बुद्धिवान, सुखी, शौकीन होते है। आर्द्रा 'तीक्ष्ण' संज्ञक नक्षत्र सायं 5 बजकर 41 मिनट तक रहेगा । आर्द्रा नक्षत्र मे कोर्ट कचहरी कार्य, छेदन, दारुण इत्यादि कार्य सिद्ध होते है। आर्द्रा नक्षत्र मे जन्म लेने वाला जातक नम्र स्वाभाव वाला, सुन्दर, धनवान, बुद्धिमान होता है। चन्द्रमा सम्पूर्ण दिन मिथुन राशि में संचार करेगा।

मेष — किसी प्रकार से बिगड़ा हुआ कार्य सफल होगा। आज घर पर ही रहकर शांति से दिन बिताएं | अगर घर के कुछ छूटे हुए काम निपटाना चाहते हैं ,तो ज्यादा बड़े कामों को हाथ में न लेकर छोटे - मोटे कामों में ही हाथ लगाएं।

वृष — आज मधुर शब्द और शांत मन आपके दिन को अच्छा बना सकते है । यदि आप अपने रूके हुए काम को बनाने में प्रयासरत रहें तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

मिथुन — किसी खास मसले पर विचार विमर्शके बाद निर्णय लाभकारी होगा। परिवार में प्रेम बढ़ेगा।आज का दिन आपके लिए एनर्जी से भरपूर है। किसी के फोन से कोई पुराने झगडे या विवाद का हल निकल आएगा।

कर्क — किसी विशेष कार्य के सफल हो जाने का हर्ष सायंकाल तक होगा। कहीं ऐसा न हो दोराहे में ही फंसे हैं और बाजी मारने के लिए कोई और ही आगे निकल जाए। घर के छोटे सदस्यों के साथ उनके काम में हाथ बंटाएंगे।

सिंह — आज सुबह से ही आप काफी पॉजिटिव फील करेंगे।स्वास्थ्य के मामले में भी मामला पॉजिटिव ही रहेगा। कोई भी कदम न उठाएं , जिससे उनका उत्साह कम हो। धैर्य रखें समय आपके अनुकूल है।

कन्या — कुछ व्यक्तिगत और गोपनीय प्रसंगों पर कार्यवाही करना आवश्यक है। किसी किस्मत वाले से जरूर पूछें कि उसने सब कुछ पाने के लिए कितने पापड़ बेले हैं।

तुला — मन में सुख शांति रहेगी और यथा सयम कार्य सिद्धि भी हो ही जाएगी। प्रयास करते रहना ही ठीक है। सफलता अवश्य आपके हाथ में होगी। आज पैसे की प्रॉब्लम खत्म हो जाएगी।

वृश्चिक — किसी अनावश्यक प्रपंचों से व्यय भार बढ सकता है। कभी - कभी जीवन भर परीक्षा खत्म नहीं होती है। पर धैर्य रखने की एक सीमा होती है। आज का दिन आपके लिए आराम और अवकाश का हो सकता है।

धनु — आज दिन भर खुशी व उत्साह का माहोल रहेगा। पिछले कुछ समय से आपके किसी शुभ काम में आर ही रूकावटें दूर होंगी। बच्चों के साथ टाइम शेयर करके उनके उत्साह में काफी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

मकर — आज घर में रहकर अपनी हॉबी को पूर्ण करने के लिए कोई नया काम या नई वस्तु को प्राप्त करने का मन करेगा। खुद के साथ ज्यादा वक्त गुजारेंगे तो काफी फ्रेश महसूस करेंगे।

कुंभ — महत्व के काम को समय पर बना लें अल्प परिश्रम से हलका लाभ होगा। मन प्रसन्न रहेगा। गलत समय के बावजूद चेष्टाएं सफल होंगी। अड़चनें दूर होंगी।

मीन — अवरूद्ध कार्य का समय पर बन जाने से हर्ष रहेगा। आज अपराह्न तक समय निराशा मय ही रहेगा। आपके लिए आज का दिन कुछ धीमा है। ज्यादा समय घर पर ही गुजारने में समझदारी है।

विक्की और कैटरीना ने साझा की प्यारी तस्वीरें

स्टार कपल विक्की कोशल और केटरीना केफ ने अपनी शादी का 1 साल पूरा होने की खुशी में सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कर एक-दूसरे को बधाई दी। विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और केटरीना के लिए अपने बढ़ते प्यार को कबूल किया। सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर विक्की ने केप्शन में लिखा है, समय उड़ता है लेकिन यह आपके साथ सबसे जादुई तरीके से उड़ता है, मेरे प्यार। शादी के एक साल पूरे होने की शुभकामनाएं। मैं आपको उससे कहीं ज्यादा प्यार करता हूं, जिसकी आप कभी कल्पना भी नहीं कर सकते। केटरीना ने भी पिछले साल राजस्थान में हुई शादी की कुछ तस्वीरें साझा कीं। केटरीना ने भी सोशल मीडिया पर तस्वीरे साझा कर लिखा, मेरी रोशनी की किरण, एक साल मुबारक हो। विक्की और केटरीना ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान के सवाई माधोपुर में सिक्स सेंस रिजॉर्ट, फोर्ट बरवारा में शादी के बंधन में बंधे। वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की 'गोविंदा नाम मेरा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर भी हैं। वहीं केटरीना केफ सलमान खान के साथ 'टाइगर 3' में नजर आएंगी।

'सत्ते पे सत्ता' की शूटिंग के दौरान उम्मीद से थीं हेमा मालिनी

दिग्गज बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी ने 1982 की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'सत्ते पे सत्ता' के लिए कश्मीर में शूटिंग को याद किया और कहा कि इसमें सबसे खास बात यह थी कि वह उस समय उम्मीद से थीं और ईशा देओल उनके पेट में थीं। उन्होंने कहा, यह फिल्म सभी को पसंद है। मैंने शूटिंग के दौरान इसका भरपूर आनंद लिया। मुझे पता चला कि फिल्म में 7 भाई हैं और सभी कलाकार जो इन 7 भाइयों की भूमिका निभा रहे हैं, अर्थात्सचिन, शक्ति कपूर, कंवलजीत और सुधीर, आदि, सभी सेट पर बहुत शरारती हुआ करते थे, और बड़ा भाई बॉस वाला था। यह सब बहुत दिलचस्प था। मेरा पहला दृश्य था जब मैंने प्रवेश किया तो उन्होंने कहा मेरा केवल एक भाई है।हेमा अपनी बेटी ईशा देओल के साथ सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 13' में आ रही हैं, जहां उन्होंने उन्हें समर्पित प्रदर्शनों का आनंद लिया और उनकी फिल्मों के बारे में बात की और कुछ दिलचस्प कहानियां और उपाख्यानों को साझा किया। 'सत्ते पे सत्ता' के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर शूटिंग के बारे में साझा किया और उस जगह को 'स्वर्ग' बताया।

76 वर्ष के हुये शत्रुघ्न सिन्हा

बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता और संवाद अदायगी के बेताज बादशाह शत्रुघ्न सिन्हा आज 76 वर्ष के हो गये।

बतौर खलनायक अपने करियर का आगाज कर अपने आक्रमक अंदाज,विद्रोही तेवर और संवाद अदायगी के दम पर शत्रुघ्न सिन्हा ने दर्शको को इस कदर दीवाना बनाया कि नायक की तुलना में उन्हें अधिक वाहवाही मिली।यह फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में पहला मौका था जब किसी खलनायक के पर्दे पर आने पर दर्शकों की ताली और सीटियां बजने लगती थी। शत्रुघ्न सिन्हा की लोकप्रियता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा के हिस्से में महज दो या तीन सीन ही रहते लेकिन इन सीनों मे जब कभी शत्रुघ्न सिंहा दिखाई देते तो अपनी संवाद अदायगी और तेवर से वह नायक की तुलना में कहीं भारी पड़ते थे। शत्रुघ्न सिन्हा का जन्म 09 दिसंबर 1946 में बिहार के पटना में हुआ। बिहार के प्रतिष्ठित पटना सांइस कॉलेज से.स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होनें बतौर अभिनेता बनने के लिये पुणा फिल्म इंस्टीट्यूट में दाखिला ले लिया। सत्तर के दशक में फिल्म इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण के बाद शत्रुघ्न सिंहा ने फिल्म इंडस्ट्री की ओर अपना रूख कर लिया।शुरूआती दौर में फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के लिये शत्रुघ्न सिंहा को काफी संघर्ष का

सामना करना पड़ा। शत्रुघ्न सिंहा ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1969 में प्रदर्शित फिल्म साजन से की ।मनोज कुमार की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में उन्हें एक छोटी सी भूमिका निभाने का अवसर मिला। इस दौरान उन्हें फिल्म अभिनेत्री मुमताज की सिफारिश पर फिल्म खिलोना में काम करने का अवसर मिला। वर्ष 1970 में प्रदर्शित फिल्म खिलोना की सफलता के बाद शत्रुघ्न सिन्हा को फिल्मों में काम मिलने लगा। वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म मेरे अपने उनके करियर के लिये महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। युवा राजनीति पर बनी इस फिल्म में विनोद खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में शत्रुघ्न सिंहा का बोला गया यह संवाद श्याम आये तो उससे कह देना छेनु आया था ।बहुत गरमी है खून में तो बेशक आ जाये मेदान में दर्शको के बीच काफी लोकप्रिय हुये। फिल्म मेरे अपने की सफलता के बाद पारस,गेंबलर ,भाई हो तो ऐसा,रामपुर का लक्षमण,ब्लेकमेल जेसी फिल्मों में मिली कामयाबी के जरिये शत्रुघ्न सिंहा दर्शको के बीच अपने अभिनय की धाक जमाते हुये ऐसी स्थिति में पहुंच गये,जहां वह फिल्म में अपनी भूमिका स्वयं चुन सकते थे। इस बीच फिल्मकारों ने शत्रुघ्न सिन्हा की लोकप्रियता को देखते हुये उन्हें बतौर अभिनेता अपनी फिल्मों के लिये साइन करना शुरू कर दिया ।वर्ष 1976 में सुभाष घई के बेनर तले बनी फिल्म वह पहली फिल्म थी जिसमें शत्रुघ्न सिन्हा की अदाकारी का जादू दर्शकों के सर चढ़कर बोला। फिल्म में अपनी जबरदस्त संवाद अदायगी और दोहरी भूमिका में शत्रुघ्न सिंहा ने अभिनेता के रूप में भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे।

1 करोड़ 30 लाख की लागत से बनने बाले रोड़ का किया नेता प्रतिपक्ष ने भूमि पूजन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। लहार विधानसभा विधायक एवं प्रतिपक्ष नेता डॉ गोविंद सिंह ने आज शनिवार को मिहोनी माता पर मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमा को जोड़ने के लिए बनाया जाने बाले रोड़ का आज पंडित के मंत्रोच्चार के बीच बिधि बिधान से भूमि पूजन किया इस रोड़ की लागत 1करोड़ 30 लाख बताई गई हैं। यहां बता दे कि यह रोड़ चिरावली से मिहोनी तक बनकर तैयार होना है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि यह रोड़ यूपी और एमपी की सीमाओं को जोड़ेगा अब लोगों को यूपी जाने के लिए चक्कर लगा कर नही जाना पड़ेगा रोड़ बनने से कोंच के लिए सबसे कम दूरी का यह रास्ता होगा जिससे समय की भी बचत होंगी यह रोड़ समय सीमा में 30 जून तक बनकर तैयार हो जाएगा लागत 1करोड 30 लाख आएगी जो कम्पनी यह रोड़ बना रही हैं उन्होंने उसकी भी तारीफ

बिकास में कोई कसर नही छोड़ेंगे-डॉ सिंह

की उन्होंने कहा कि हम बिकास में कोई कमी नही छोड़ेंगे साथ ही अब शीतला माता पर श्रद्धालुओं को आने में कोई परेशानी नही होगी भारत मे चल रही भारत जोड़ो यात्रा तो हम नही निकाल सकते है क्योंकि देश बहुत बड़ा है। पर हमने मध्यप्रदेश ओर उत्तरप्रदेश की सीमा को जोड़ा है,आज हम आप सभी की परेशानी को दूर करने के लिए यह भूमिपूजन किया है क्षेत्र की जनता के लिए हमेशा तैयार रहता हूं। और हमेशा तैयार रहुगा हूं वही आज कुछ आसपास के ग्रामीणों ने भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेश का हाथ थामा है। इसके पहले काग्रेस के बरिष्ठ नेता शिवनारायण दुबे,नगर परिषद उपाध्यक्ष हाकिम सिंह, मीना मानवेन्द्र सिंह, राजवुमार शर्मा (मोल्या) जिला उपाध्यक्ष राजा भैया पाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मिहोनी माता के महंत पुरषोत्तमदास महाराज,पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र खैमारिया, पार्षद जगमोहन तेहरिया, पार्षद सुधीर तिवारी, पार्षद दिनेश कौरव, मुन्ना कौरव, पार्षद गोबिंद पाल, दुर्गा राठौर, नारायण जाटव, मेहताब दोहरे, समस्त कांग्रेश कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईश्वर का वरदान है सूर्य नमस्कारः चाकणकर

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक
पुष्पांजली टुडे

डबरा। विद्यार्थियों के लिए सूर्य नमस्कार ईश्वर का वरदान है। पहले तीन बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास करें। इसके बाद एक-एक के हिसाब से उन्हें बढ़ाते जायें तथा 12 शारीरिक स्थितियों को अमल में लावें। उपरोक्त उदगार जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने डबरा विकासखंड के शासकीय हाईस्कूल बिजकपुर और करियावटी में विद्यार्थियों को सूर्यनमस्कार अभ्यास के दौरान व्यक्त किए। श्री चाकणकर ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक ऐसी योग क्रिया है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति के बहुआयामी विकास के लिए जरूरी है। यह इकलौता आसनों का समूह है, जो आसन, प्राणायाम, ध्यान और मंत्रोच्चार को एक साथ लेकर आता है।विकासखंड योग प्रभारी श्री जयदयाल शर्मा ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया और नियमित रूप से इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रुप में मनाया जाता है तथा इस दिन प्रदेश के विद्यालयों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाता है।

राज्यमंत्री श्री भदौरिया ने तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ड्रेगन बोट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया के मुख्य आतिथ्य में गौरी सरोवर में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ड्रेगन बोट प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान मध्यप्रदेश कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर, कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र नरवरिया, नगर पालिका भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती वर्षा बाल्मीकि, भिण्ड जिला एथलेटिक्स अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान, प्रवेंद्र शर्मा जिला सह सचिव कयाकिंग केनोइंग एसोसिएशन सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया बन्धु, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय ड्रेगन बोट प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम अंतर्गत छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसी क्रम में ड्रेगन बोट रेस आयोजित की गई जिसका मुख्य अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। राज्य स्तरीय ड्रेगन बोट प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राधे गोपाल यादव द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्री ओपीएस भदौरिया ने खिलाड़ियों का हौसला बड़ाते हुए कहा कि खेल में हार जीत से अधिक मायने खेल में भाग लेना और खेल भावना से खेलना है। यह प्रतियोगिता 12 दिसंबर तक चलेगी। लगभग 180 खिलाड़ी इस खेल में अपना जौहर दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है, जिसके बिना जीवन पूर्ण नहीं होता है। युवाओं को खेलों के साथ जुड़कर कुशल प्रदर्शन करते हुए अपने परिवार, राज्य व देश का नाम रौशन करना चाहिए। खेलों से केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक विकास भी होता है। उन्होंने तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ड्रैगन बोट प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन के प्रयासों की भी सराहना की और सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं।

बालाघाट में पंचायतों के उप निर्वाचन उत्तरार्ध का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित

15 दिसंबर को जारी होगी अधिसूचना, 05 जनवरी को होगा मतदान

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2022 उत्तरार्ध के लिये निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया हैं। जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच एवं पंच के रिक्त स्थानों के निर्वाचन के लिए 15 दिसंबर को अधिसूचना जारी की जायेगी और मतदान 5 जनवरी 2023 को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतदान मत पत्र एवं मत पेटी के द्वारा तथा सरपंच, जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत सदस्य के लिये मतदान ईव्हीएम से होंगे। निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा होने के साथ ही संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवगोविंद मरकाम ने बताया कि बालाघाट जिले में 04 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं 181 पंच के रिक्त स्थानों पर निर्वाचन कराया जाना है। इसके लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का कार्य 15 दिसम्बर, 2022 से शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 22 दिसम्बर है। नाम निर्देशन-पत्रों की जाँच 23 दिसम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 दिसम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी होगा। मतदान 5 जनवरी को होगा। पंच पद के लिये मतगणना, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान-केन्द्र में ही होगी। सरपंच की मतगणना 9 जनवरी 2023 को सुबह 8 बजे से विकासखण्ड मुख्यालय पर ईव्हीएम से होगी। सरपंच के परिणाम 9 जनवरी को 2023 को घोषित होंगे।

संयुक्त समाज सेवी संस्था द्वारा संचालित व जय दुर्गे कामाख्या मां सेवा संस्थान के सहयोग से बिरखड़ी गांव में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

संयुक्त समाज सेवी संस्था द्वारा संचालित व जय दुर्गे कामाख्या मां सेवा संस्थान के सहयोग से बिरखड़ी गांव में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन दिनांक 11 दिसंबर 2022 को किया जा रहा है। मनोज शर्मा (पत्रकार)सचिव जय दुर्गे कामाख्या मां सेवा संस्थान के अनुसार संभाग के सर्वोत्तम चिकित्सा केंद्र कालरा अस्पताल द्वारा एक विशाल नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन बिरखड़ी गांव जो की गोहद तहसील के अंतर्गत भिंड जिले में आता है, में किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत निःशुल्क मोतियाबिंद का बिना टांके का लैंस वाला ऑपरेशन व काला पानी का ऑपरेशन किया जा रहा है। सभी मरीजों का ऑपरेशन डॉक्टर रोहित कालरा द्वारा कालरा हॉस्पिटल से किया जा रहा है। जो भी व्यक्ति जिनकी बनी हुई आंख में रोशनी नहीं आई हो या बाद में कम हो गई उसका ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड या परिवार आईडी पर निशुल्क किया जा रहा है।

गोहद नगर की समस्याओं को लेकर सीएमओ एवं खाद संकट पर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद। लंबे अरसे से खाद को लेकर मची हाय तौबा को देखते हुए मध्य प्रदेश किसान सभा ने खाद समस्या के निराकरण हेतु एसडीएम गोहद के नाम शुक्रवार को ज्ञापन दिया वहीं नगर समस्याओं को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने सीएमओ गोहद को शुक्रवार के ही दिन लिखित में अवगत कराया है दोनों संगठनों ने अलग-अलग सोंपे ज्ञापन में सात दिवस का समय दिया है समय सीमा में मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलनात्मक कदम उठाए जाने की चेतावनी दी गई है। जानकारी में बताया गया है दो दर्जन माकपा कार्यकर्ता शुक्रवार के ही दिन नगरपालिका पहुंचे और सीएमओ को मांग पत्र देकर नगर समस्याओं से अवगत कराया वहीं दूसरी ओर खाद को लेकर ज्ञापन की एक प्रति मध्यप्रदेश किसान सभा व्दारा एसडीएम के नाम गोहद स्टेनो को दी गई है बताया गया है खाद को लेकर किसानों में हायतौबा मची है पर्याप्त मात्रा में किसानों को खाद नहीं दिया जा रहा है घोषित सरकारी रेट से ज्यादा पैसे का भुगतान कर किसानों को प्राइवेट दुकानों से खाद खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सीएमओ गोहद को सौंपे ज्ञापन में माकपा ने नगर में सफाई अभियान चलाने, पोलों पर वल्व सोडियम का इंतजाम करने, पात्रों को पीएम आवास देने, कर्मकार कार्ड बनाए जाने, पीने के साफ पानी का इंतजाम करने,कन्यादान विवाह योजना में सहायता राशि में लगी रोक हटाने,समाज सुरक्षा पेंशन 2000 करने नियमित रूप से कंट्रोल की दुकानें खोलने संतोष नगर वार्ड नंबर 5 में अजुद्धी माहौर के मकान के सामने से टिल्लू के मकान तक सीसी रोड बनाए जाने के अलावा मिड डे मील में कार्यरत महिलाओं को कलेक्ट्रेट का भुगतान करने नियमित मानदेय देने की मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई है ज्ञापन सौंपते समय पूर्व गोहद नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम नारायण माहौर ,गुड्डी बाई माहौर माकपा जिला सचिव ओमप्रकाश बाथम माकपा जिला समिति सदस्य नारायण शर्मा ,शोभा माहौर सीटू नेता उदय सिंह श्रीवास ,हरिशंकर माहौर, मनीराम माहौर के अलावा अनीता करण शियाबाई राठौर देवी जाटव सहित दो दर्जन कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थे।

Aadhar Housing Finance Ltd
GHAR BANEGA, TOH DESH BANEGA.
HOME LOAN | PLOT PURCHASE | TOPUP
HOME EXTENSION | LAP | PURCHAS + CONSTRECTION
Add. Alaknanda Tower - 2, City Centre, Gwalior
Contact : Mr. Santosh Singh Bhadoriya
9179661562

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478